जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर, शनिवार 20 सितम्बर, 2025

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™ Pavitra

आपका आटा घर कैसे आता है?

पहली बार

आटा, सूजी, दलिया, बेसन में
ट्रिपल लेयर प्रोटेक्शन

3 LAYER PACKAGING

- STRONGEST BARRIER IN THE CATEGORY
- STAYS FRESH WITHOUT PRESERVATIVES
- HANDLES HUMIDITY & TRANSIT

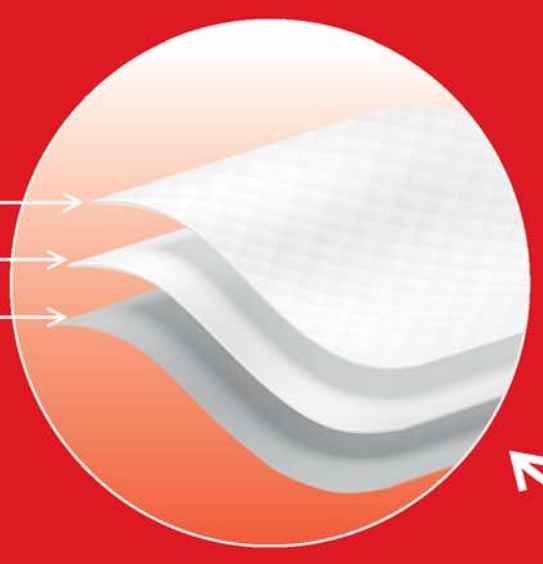

(INNER) PE:
LOCKS IN FRESHNESS & AROMA

(MIDDLE) MET PET:
PREVENTS LIGHTS & AIR

(OUTER) MATT BOPP:
STRENGTH + PREMIUM FINISH

MUST TRY OUR: शरबती सुपीरियर आटा । देशी चक्की आटा । सूजी । बेसन । गेहूँ

COMING SOON: दाल । चावल । मसाले । कुकिंग ऑयल । ड्राई फ्रूट्स । चाय

ORDER ON WEBSITE

ORDER ON APP

ORDER ON CALL
1800 120 2727

ORDER ON WHATSAPP

T&C Apply.

विचार बिन्दु

जो काम घड़ों जल से नहीं होता उसे दवा के दो घूँट कर देते हैं और जो काम तलवार से नहीं होता वह काँटा कर देता है। –सुदर्शन

जल संरक्षण में स्मार्ट तकनीकें और नवाचार: स्थायी भविष्य की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम

जल संरक्षण आज की सबसे गंभीर वैश्विक चुनौतियों में से एक है। जल केवल जीवन का आधार नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय संतुलन का भी मुख्य स्तंभ है। किंतु तेज़ी से बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण, औद्योगिकीकरण और पारंपरिक स्त्रोतों के अंधाधुंध उपयोग व प्रदूषण के कारण जल संकट गहराता जा रहा है। एक ओर कुछ क्षेत्रों में पानी की गंभीर कमी है, वहीं दूसरी ओर संसाधनों का असमान वितरण समस्या को और जटिल बना रहा है। ऐसे में इस संकट से निपटने के लिए केवल पारंपरिक उपायों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। आधुनिक समय में तकनीकी नवाचार और स्मार्ट तकनीकों का संयोजन ही जल संरक्षण की सबसे प्रभावी रणनीति बनकर उभर रहा है। भारत जैसे विकासशील देशों में जल संरक्षण की आवश्यकता और भी अधिक गंभीर है। देश की कृषि व्यवस्था आज भी जल पर ही आधारित है, जबकि औद्योगिक और शहरी विकास भी जल की खपत लगातार बढ़ा रहे हैं।

रिपोर्ट्स बताती हैं कि आने वाले वर्षों में भारत के कई शहर 'डे-ज़ीरो' की स्थिति तक पहुँच सकते हैं, यानी वह दिन जब नलों से पानी आना बंद हो जाएगा। यह चेतावनी इस बात की ओर इशारा करती है कि यदि जल उपयोग को वैज्ञानिक तरीके से नियंत्रित नहीं किया गया, तो आगामी पीढ़ियाँ गंभीर जल संकट का सामना करेंगी। तकनीकी नवाचारों ने मानव जीवन के हर क्षेत्र में परिवर्तन किया है और जल प्रबंधन भी इससे अछूता नहीं है। नई तकनीकें जल उपयोग और आपूर्ति दोनों को वैज्ञानिक ढंग से नियंत्रित करने की क्षमता रखती हैं। इनमें स्मार्ट वाटर मीटर, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), डेटा एनालिटिक्स, स्मार्ट सिंचाई प्रणालियाँ, वर्षा जल संचयन और जल पुनर्चक्रण जैसी तकनीकें प्रमुख हैं। जल संरक्षण के क्षेत्र में सबसे बड़ा बदलाव स्मार्ट वाटर मीटर के रूप में देखा जा रहा है। यह उपकरण रीयल-टाइम डेटा प्रदान करता है, जिससे उपभोक्ता अपनी जल खपत पर नज़र रख सकते हैं। इससे पानी की बर्बादी कम होती है और आवश्यकता से अधिक खपत पर तुरंत नियंत्रण संभव हो पाता है। इसी प्रकार IoT आधारित सेंसर पानी की पाइपलाइनों और टैंकों में रिसाव का पता लगाते हैं। यदि कहीं लीकेज या ओवरफ्लो जैसी स्थिति होती है, तो ये सेंसर तुरंत संदेश भेजकर चेतावनी देते हैं। इस प्रकार बड़ी मात्रा में पानी की हानि को समय रहते रोका जा सकता है।

भारत की कृषि व्यवस्था जल संरक्षण की दिशा में तकनीकी नवाचारों का सबसे बड़ा केंद्र बन सकती है। स्मार्ट सिंचाई प्रणालियों का प्रयोग इसका स्पष्ट उदाहरण है। ड्रिप इरिगेशन और स्प्रिंकलर सिस्टम पौधों की जड़ों तक आवश्यक मात्रा में पानी पहुँचाते हैं। अब तो ये प्रणालियाँ मिट्टी की नमी, तापमान और मौसम की स्थिति जैसे आँकड़ों के आधार पर स्वत: सिंचाई करती हैं। इससे न केवल जल की भारी मात्रा में बचत होती है, बल्कि फसलों की पैदावार और गुणवत्ता दोनों पर सकारात्मक असर पड़ता है। किसान ऊर्जा और श्रम की लागत बचाकर अधिक उत्पादन व आय अर्जित कर सकते हैं। यह तकनीक 'कम पानी, अधिक उत्पादन' की अवधारणा को साकार करती है। वर्षा जल संचयन की संस्कृति भारत में प्राचीन समय से रही है, लेकिन आधुनिक तकनीक ने इसे और प्रभावी बना दिया है। आज स्मार्ट रेनवॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम उपलब्ध हैं, जो छत पर गिरे वर्षा जल को स्वत: फ़िल्टर करके टैंकों में संग्रहित करते हैं। इस पानी का उपयोग घरेलू कार्यों, बागवानी और यहाँ तक कि पीने योग्य स्तर पर शुद्ध करके किया जा सकता है। पुनर्चक्रण तकनीक भी जल संरक्षण का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन गई है। घरेलू और औद्योगिक स्तर पर प्रयुक्त जल को उन्नत वैज्ञानिक तरीकों से शुद्ध कर पुन: उपयोग में लाया जा सकता है। इससे न केवल ताजा पानी की आवश्यकता घटती है, बल्कि नदियों और भूमिगत जल पर दबाव भी कम होता है।

वर्षा जल संचयन की संस्कृति भारत में प्राचीन समय से रही है, लेकिन आधुनिक तकनीक ने इसे और प्रभावी बना दिया है। आज स्मार्ट रेनवॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम उपलब्ध हैं, जो छत पर गिरे वर्षा जल को स्वत: फ़िल्टर करके टैंकों में संग्रहित करते हैं। इस पानी का उपयोग घरेलू कार्यों, बागवानी और यहाँ तक कि पीने योग्य स्तर पर शुद्ध करके किया जा सकता है। पुनर्चक्रण तकनीक भी जल संरक्षण का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन गई है।

जल संरक्षण में एआई और बिग डेटा एनालिटिक्स की भूमिका बढ़ रही है। बड़ी मात्रा में एकत्रित जल उपयोग डेटा का विश्लेषण करके भविष्य में होने वाली मांग का अनुमान लगाया जा सकता है। इससे प्रशासन और नगर निकाय जल वितरण की बेहतर योजनाएँ बना सकते हैं। एआई आधारित तकनीकें रिसाव का पता लगाने, बर्बादी रोकने, और अलग-अलग क्षेत्रों में जल खपत की तुलना करके नीतिगत निर्णय लेने में सहायक हैं। भविष्य में इन तकनीकों का विकास जल संकट से निपटने में निर्णायक साबित होगा। शहरों में जल संकट सबसे गंभीर रूप धारण करता है। यहाँ स्मार्ट जल प्रबंधन प्रणालियों का प्रयोग विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। सेंसर और क्लाउड बेस्ड प्लेटफार्म के ज़रिए जल वितरण और खपत का रीयल-टाइम नियंत्रण किया जाता है। भारत के कई स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स में इन तकनीकों का उपयोग करके जल खपत को नियंत्रित करने और रिसाव से होने वाली हानि को घटाने में सफलता भी मिली है। इससे शहरी जीवन स्तर सुधरता है और जल संकट का दबाव कम होता है।

जल संरक्षण के तकनीकी उपाय केवल पर्यावरणीय लाभ ही नहीं देते, बल्कि ये आर्थिक दृष्टि से भी उपयोगी हैं। घरेलू स्तर पर स्मार्ट मीटर और वर्षा जल संचयन से पानी का बिल घटता है। खेती में स्मार्ट सिंचाई से उत्पादन बढ़ता है और लागत घटती है। उद्योगों में जल पुनर्चक्रण से न केवल जल संरक्षण होता है, बल्कि लागत भी कम होती है। सामाजिक दृष्टि से ये तकनीकें जल-संकट से जुड़े झगड़े और संकटों को कम करती हैं। जिन क्षेत्रों में जल की कमी है, वहाँ स्मार्ट समाधान से जल उपलब्धता एक समान और न्यायपूर्ण ढंग से सुनिश्चित होती है। तकनीकी समाधान तभी सफल हो सकते हैं, जब लोग उनमें सक्रिय रूप से भाग लें। जल संरक्षण के प्रति जागरूकता अभियान चलाना और नागरिकों को स्मार्ट तकनीकों के फायदे समझाना सरकार और समाज दोनों की जिम्मेदारी है। यह मानना गलत होगा कि केवल सरकारी परियोजनाएँ ही जल संकट से निपट सकती हैं। हर नागरिक को अपनी जल खपत को नियंत्रित करने और नई तकनीकों को अपनाने की ज़िम्मेदारी उठानी होगी।

जल संरक्षण केवल नैतिक दायित्व नहीं, बल्कि यह हमारे अस्तित्व की मूलभूत आवश्यकता है। आधुनिक तकनीकों और नवाचारों ने इस क्षेत्र में नए अवसर पैदा किए हैं। स्मार्ट वाटर मीटर, IoT, एआई, वर्षा जल संचयन और जल पुनर्चक्रण जैसी तकनीकें यह साबित कर चुकी हैं कि वैज्ञानिक साधनों से जल संकट पर काबू पाया जा सकता है। भारत सहित पूरे विश्व के लिए यह एक प्रेरणादायक दिशा है कि तकनीक और परंपरा का संयोजन करके जल संरक्षण को स्थायी और दीर्घकालिक बनाया जा सकता है। यदि समय रहते इन समाधानों को बड़े पैमाने पर अपनाया गया, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और पर्याप्त जल उपलब्ध कराना संभव होगा। अंतत: जल संरक्षण केवल सरकारों की योजनाओं का विषय नहीं है, यह समाज के प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। वैज्ञानिक नवाचारों की मदद से जल संसाधनों का जिम्मेदाराना, कुशल और सतत उपयोग ही हमें एक सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की ओर ले जा सकता है।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

समाजवाद के प्रणेता अहिंसावादी प्रथम वैश्य सम्राट महाराजा अग्रसेन

डॉ.जे.के. गर्ग

निर्विवाद रूप से किसी भी राष्ट्र या समाज एवं परिवार को उन्नत विकसित और कल्याणकारी बनाने के लिये उसके आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक स्तम्भों का मजबूत होना अति आवश्यक है । इन चारों स्तंभों को दृढ करके ही राष्ट्र को प्रगतिशील एवं विकसित देश बनाया जा सकता है। लगभग 5146 वर्ष पूर्व महाराजा अग्रसेनजी इन्हीं चार स्तंभों को मजबूत कर समृद्धशाली, कल्याणकारी समाजवादी एवं शक्तिशाली राज्य का निर्माण करने में सफल हुए थे । अठासेन एक पौराणिक कर्मयोगी लोकनायक होने के साथ साथ अहिंसा और समाजवाद के प्रणेता तपस्वी धर्म परायण दानवीर युग पुरुष थे जिनका जन्म द्वापर युग के अंत व कलयुग के प्रारंभ में लगभग 514,6 वर्ष पूर्व अश्विनशुक्ल प्रतिपदा के दिन प्रताप नगर के सूर्यवंशी राजा वल्लभसेन के यहाँ हुआ था उनकी माताजी का नाम भगवतीदेवी था। प्रतापनगर राजस्थान एवं हरियाणा राज्य के बीच सरस्वती नदी के किनारे स्थित हुआ करता था ।

ऐसा भी कहा जाता है की महाराजा अग्रसेन भगवान श्रीराम के पुत्र कुश की 34वी पीढ़ी के थे । इस मान्यता के मुताबिक अग्रवंशी भगवान राम के वंशस होते है । कहा जाता है कि महाभारत के दसवें दिन राजा वल्लभसेन वीर गति को प्राप्त हो गये थे । पन्द्रह वर्ष की अल्प आयु मे ही अग्रसेनजी ने महाभारत के धर्मयुद्ध में पांडवो की तरफ से भाग लिया था। भगवान श्रीकृष्ण भी उनकी बुद्धिमता, शोर्य, पराक्रम, समझबुझ से अत्यंत प्रभावित हुए थे और उन्होंने भविष्यवाणी की थी कि युवा अग्रसेन भविष्य में एक पराक्रमी सम्राट एवं युग पुरुष होंगे ।

विवाह-- युवा अग्रसेन ने सर्पों के राजा नागराज की बेटी राजकुमारी माधवी के स्वयंवर में अनेकों राजाओं, राजकुमारों और स्वर्ग के सम्राट इंद्रदेव के साथ भाग लिया था । इंद्र देवता राजकुमारी माधवी की सुंदरता पर मोहित थे इसीलिए एन केन प्रकारेण राजकुमारी माधवी से विवाह करना चाहते थे। स्वयंवर में राजकुमारी माधवी ने राजकुमार अग्रसेन का चयन कर उनका वरण किया । अग्रसेन माधवी के विवाह से दो विभिन्न संस्कृतियों एवं परिवारों का मिलन हुआ क्योंकि राजकुमार अग्रसेन जहाँ एक सूर्यवंशी थे वहीं राजकुमारी माधवी एक नागवंशी थी। राजकुमारी माधवी का विवाह अग्रसेन जी के साथ हो जाने से इंद्रदेव ने अपने आप को अपमानित महसूस किया और वे ईर्ष्या ग्रस्त होकर बहुत क्रोधित हुए और इन्द्र ने प्रताप नगर के निर्दोष स्त्री-पुरुषों, बालक-बालिकाओं को प्रताडित करने हेतु प्रताप नगर पर कई वर्षों तक बारिश नहीं होने दी जिससे प्रताप नगर में भयानक अकाल पड गया । सम्राट अग्रसेन ने अपनी प्रजा एवं प्रताप नगर की सुरक्षा और राजधर्म के पालनार्थ इंद्र के खिलाफ धर्मयुद्ध प्रारम्भ कर दिया । युद्ध में इंद्र की पराजय हुई । पराजित इंद्र ने नारदमुनि से अनुनय-विनय कर उनकी सम्राट अग्रसेन से सुलह कराने का निवेदन किया । नारद मुनि ने दोनो के बीच में मध्यस्थता करके सुलह करवा दी ।

भगवान शिव और माता लक्ष्मी की आराधना

यहाँ यह स्मरण रखने वाली बात है कि महाभारत के युद्ध के कारण जन धन की बहुत तबाही हुई थी इसलिए अपने राज्य की खुशहाली के वास्ते महाराजा अग्रसेन ने काशी जाकर भगवान शिव की कठोर तपस्या की जिससे खुश हो कर भगवान शिवजी ने उन्हें दर्शन दिया और उनको आदेश दिया कि वे महालक्ष्मी जी की पूजा और ध्यान करे । अग्रसेन ने महालक्ष्मी की पूजा आराधना शुरू कर दी। माँ लक्ष्मी ने उनकी परोपकार हेतु की गई तपस्या से खुश होकर उन्हें दर्शन दिए और आदेश दिया कि वे अपना एक नया राज्य बनायें और क्षत्रिय परम्परा के स्थान पर वैश्य परम्परा अपना लें। माता लक्ष्मी ने उन्हें आशीर्वाद दिया कि उनके और उनके अनुयायियों को कभी भी किसी चीज की कमी नहीं होगी, वे सभी सदैव सुख-सुविधा युक्त जीवन व्यापन करगें। लक्ष्मी माता का आदेश मान कर अग्रसेन महाराज ने क्षित्रय कुल को त्याग वैश्य धर्म को अपना लिया, इस प्रकार महाराजा अग्रसेन प्रथम वैश्य सम्राट बने ।

अग्रोहा शहर का जन्म– देवी महालक्ष्मी से आशीर्वाद प्राप्त करने के बाद राजा अग्रसेन ने नए राज्य की स्थापना एवं उस राज्य की राजधानी के चयन हेतु रानी माधवी के साथ भारत का भ्रमण किया, अपनी यात्रा के दौरान वे एक जगह रुके जहाँ उन्होंने देखा कि कुछ शेर और भेड़िये के बच्चे साथ खेल रहे थे । राजा अग्रसेन ने रानी माधवी से कहा के ये बहुत ही शुभ दैवीय संकेत है है जो हमें इस पुण्य भूमि पर हमारे राज्य की राजधानी को स्थापित करने का इशारा कर रहा है। ऋषि मुनियों और ज्योतिषियों की सलाह पर नये राज्य का नाम अग्रोयगण रखा गया जिसे कालान्तर में यह स्थान अग्रोहा नाम से जाना गया। अग्रोहा हरियाणा में हिसार के पास हैं। आज भी यह स्थान अग्रवाल समाज के लिए तीर्थ स्थान के समान है। यहां भगवान अग्रसेन, माता माधवी और कुलदेवी माँ लक्ष्मी जी के भव्य और दर्शनीय मंदिर है ।

समाजवाद के प्रेरणता– महाराजा अग्रसेन जी के राज्य में यह परंपरा थी कि जो भी व्यक्ति या परिवार उनके राज्य में आकर बसता था, अग्रोहा के सभी निवासी नवागंतुक नागरिक को सम्मान और स्वागत के रूप में एक रुपया और एक ईंट भेंट करते थे। कहा जाता है कि उस समय अग्रोहा में लगभग एक लाख से अधिक परिवार बसते थे। इस प्रकार उनके राज्य में आने वाला हर नागरिक एक लाख रुपये तथा एक लाख ईंटों का स्वामी बन जाता था। इन रुपयों से वह अपना व्यवसाय प्रारम्भ कर लेता था वहीं ईंटों से अपना खुद का मकान बना लेता था। यही परंपरा समाजवाद की ही मिसाल है निसंदेह अग्रसेन जी ने विश्व में सबसे पहले समाजवादी राष्ट्र की स्थापना की थी।

पशु बलि बंद करने वाले प्रथम सम्राट कुलदेवी माता लक्ष्मी की कृपा से भगवान अग्रसेन के 18 पुत्र हुये। राजकुमार विभु उनमें सबसे बड़े थे। महर्षि गर्ग ने भगवान अग्रसेन के 18 पुत्र के साथ 18 यज्ञ करने का संकल्प करवाया। उन दिनो यज्ञों में पशुबलि दी जाती थी। जिस समय 18वें यज्ञ में जीवित पशुओं की बलि देने की तैयारी की जा रही थी उस वक्त एक घोडा बली के लिए लाया गया । महाराज अग्रसेन ने देखा कि घोड़े की निरीह आँखों से अविरल आंसू बह रहे थे और वो निरीह पशु यज्ञ की वेदी से दूर जाने और वहां से भागने की कोशिश कर रहा था । इस दृश्य को देख कर महाराज अग्रसेन का दिल दया से भर गया और वे आहत भी हुए । उन्होंने सोचा कि ये कैसा यज्ञ है जिसमें हम मूक जानवरों की बलि चढ़ाते है ? महाराजा अग्रसेन ने पशु वध को बंद करने के लिये अपने मंत्रियों के साथ विचार-विमर्श किया और अपने मंत्रिमंडल के विचारों के विपरीत जाकर उन्हें समझाया कि अहिंसा कभी भी कमजोरी नहीं होती है बल्कि अहिंसा तो एक दूसरे के प्रति प्रेम और अपनापन जगाती है। महाराजा अग्रसेन ने तुरंत प्रभाव से मुनादी करवा दी की उनके राज्य मे कभी भी कोई हिंसा और जानवरों की हत्या नहीं होगी । अग्रसेन जी अहिंसा परमो धर्म का संदेश देने वाले प्रथम महाराजा बन अहिंसा का संदेश उन्होंने भगवान बुद्ध और भगवान महावीर के अहिंसा के संदेश से 2500 साल पहले दे दिया था ।

शासन व्यवस्था– भगवान अग्रसेन ने एक तांत्रिक शासन प्रणाली के स्थान पर एक नयी प्रजातांत्रिक राज्य व्यवस्था को जन्म दिया अग्रसेन जी ने वैदिक सनातन आर्य संस्कृति की मूल मान्यताओं को लागू कर राज्य के पुनर्गठन में कृषि व्यापार उद्योग, गौ पालन के विकास के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की पुन: प्रतिष्ठा का बीड़ा उठाया। महाराजा अठासेन जी पहले शासक थे जिन्होंने सहकारिता के आदर्श को सामाजिक जीवन में प्रतिस्थापित किया। उन्होंने जीवन के सुख-सुविधाओं एवं भोग विलास आदि पर धन के अपव्यय के स्थान पर जीवन में सादगी, सरलता और मितव्ययिता बरतने पर जोर दिया। अग्रसेन के मतानुसार व्यक्ति को अपनी उपार्जित आय को चार भागों में बांट कर एक भाग का उपयोग परिवार के संचालन हेतु, दूसरे भाग का उपयोग उद्योग व्यवसाय या जीविका चलाने हेतु, तीसरे भाग का उपयोग सार्वजनिक कार्यों तथा चौथे भाग का उपयोग बचत कर राष्ट्र की समृद्धि में करना चाहिये।

अग्रवाल के 18 गोत्र एवं उनका नामकरण हममें से अधिकाक्षं लोगों की मान्यता है कि अग्रवालों के 18 या साढ़े सत्तराह गोत्रो के नाम उनके 18 पुत्रों के नाम से रक्खें गये है किन्तु वास्तविकता में गोत्रो के नाम 18 यज्ञ करवाने वाले ऋषियों के नाम से है । महर्षि गर्ग ने भगवान अग्रसेन को 18 पुत्र के साथ 18 यज्ञ करने का संकल्प करवाया। माना जाता है कि इन 18 यज्ञों को ऋषि मुनियों ने सम्पन्न करवाया और इन्हीं ऋषि-मुनियों के नाम पर ही अग्रवंश के गोत्रों का नामकरण हुआ। प्रथम यज्ञ के पुरोहित स्वयं गर्ग ऋषि बने, उन्होंने राजकुमार विभु को दीक्षित कर उन्हें गर्ग गोत्र से मंत्रित किया। इस प्रकार अग्रवालों के 18 गोत्र हैं यथा– गर्ग, तायल, कुच्चल, गोयन, भंदेल, मंगल, मित्तल, बंसल, बिंदल, कंसल, नागल, सिंघल, गोयल, तिंगल, जिंदल, धारण, मधुकुल, एरेन । ऋषियों द्वारा प्रदत्त अठारह गोत्रों को भगवान अग्रसेन के 18 पुत्रों के साथ भगवान द्वारा बसाई 18 बस्तियों के निवासियों ने भी धारण कर लिया एक बस्ती के साथ प्रेम भाव बनाये रखने के लिए एक सर्वसम्मत निर्णय हुआ कि अपने पुत्र और पुत्री का विवाह अपनी बस्ती में नहीं दूसरी बस्ती में करेंगे। आगे चलकर यह व्यवस्था गोत्रों में बदल गई जो आज भी में प्रचलित है। राज्य के उन्हीं 18 गणों से एक-एक प्रतिनिधि लेकर उन्होंने लोकतांत्रिक राज्य की स्थापना की, जिसका स्वरूप आज भी हमें भारतीय लोकतंत्र के रूप में दिखाई पडता है। महाराजा अग्रसेन ने परिश्रम से खेती, व्यापार एवं उद्योगों से धनोपार्जन के साथ-साथ उसका समान वितरण और आय से कम खर्च करने पर बल दिया। जहां एक ओर अग्रसेन जी ने वैश्य जाति को न्याय पूर्ण व्यवसाय का प्रतीक तराजू प्रदान किया वहीं दूसरी ओर उन्होंने अपनी प्रजा को आत्मरक्षा के लिए शास्त्रों के उपयोग की शिक्षा भी प्रदान करवाई थी । कुलदेवी महालक्ष्मी से परामर्श पर वे आग्रेय गणराज्य का शासन अपने ज्येष्ठ पुत्र विभु के हाथों में सौंपकर तपस्या करने चले गए। वर्तमान में अग्रवंशियो की संख्या लगभग आठ करोड़ है ।

अग्रसेन जी के वंशज आज भी उन्हीं की विचारधारा से प्रभावित होकर जनकल्याण के हितार्थ धर्मशाला, मंदिर, अनाथालय, अस्पताल पुस्तकालय, स्कूल एवं कालेज की स्थापना करने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं । सच्चाई तो यही है कि महाराजा अग्रसेन ने अपने विशाल परिवार को हमेशा एकता के सूत्र मे बांध कर एकजुट रक्खा । इसलिए सम्राट अग्रसेनजी ने अपने आपको एक महान एवं सफल मेनेजमेंट गुरु के रूप में स्थापित किय। महाराजा अग्रसेन ओर माता माधवी ने अपने सभी 18 पुत्रों को श्रेष्ठतम संस्कार प्रदान किये थे । महाराजा अग्रसेन को समाजवाद का प्रवर्तक, अहिसां के पुजारी, सुयोग्य प्रशासक एवं आदर्श मेनेजमेंट गुरु के रूप में जाना जाता है आठ करोड़ से ज्यादा अग्रवालों के लिये उनके सिद्धांत हमेशा अनुकरणीय और प्रेरक बने रहेगें । याद करने योग्य बात यह भी है सम्राट अकबर के नवरत्नों में दो नवरत्न अग्रवाल थे। अठासेनजी के 5146वें जन्मदिवस पर कोटि-कोटि प्रणाम ।

–डा. जे. के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कालेज शिक्षा जयपुर

विवाद से विश्वास तक, सेवा शिविर बना नई शुरुआत का मंच

70 साल पुराने भूमि विवाद का समाधान हुआ

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राज्यभर में संचालित किए जा रहे ग्रामीण सेवा शिविर जोधपुर जिले की ग्राम पंचायत जसवंतपुरा के लिए एक ऐतिहासिक पल लेकर आया। लगभग 70 वर्षों से चले आ रहं खातेदारी भूमि विवाद का समाधान यहाँ आपसी सहमति से हो गया।

सात दशकों से लंबित विवाद पर लगी समाधान की मुहर-

गाँव के डूंगरराम, त्रिलोकराम, पपली देवी, भूराराम, निंबाराम, मेघाराम और शोभाराम की कुल 2.5161 हेक्टेयर भूमि वर्षों से विवादों में उलझी हुई थी। पीढ़ी-दर-पीढ़ी चल रहे इस मामले में बंटवारा संभव नहीं हो पा रहा था।

जोधपुर जिले की ग्राम पंचायत जसवंतपुरा में सात दशक के विवाद को शिविर में सुलझाया।

सेवा पखवाडे के अंतर्गत आयोजित प्री-कैंप में राजस्व अधिकारियों ने सभी खातेदारों को सहमति विभाजन हेतु समझाइश की। परिणामस्वरूप ग्रामीण सेवा शिविर के दिन सभी परिवारों ने एकमत होकर समझौते पर सहमति दी और बंटवारा संपन्न हुआ।

शांति और सौहार्द का प्रतीक बना शिविर: विवाद के समाधान पर खातेदारों ने भावुक होते हुए मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा और राज्य सरकार का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह पहल केवल ज़मीन का बंटवारा नहीं, बल्कि शांति, राहत और नई उम्मीद की शुरुआत है।

70 वर्षों बाद लौटी मुस्कान: गाँव के बुजुर्गों के अनुसार यह फैसला सिर्फ़ भूमि विवाद का हल नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सौहार्द और विश्वास की नींव है। जसवंतपुरा का यह ग्रामीण सेवा शिविर सचमुच विवाद से विश्वास की अनूठी यात्रा का साक्षी बना।

–आकांक्षा/सोनू शर्मा

धूमधाम से भरा इच्छापूर्ण दाणा बाबा का मेला

ब्यावर (निसं) राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 58 पर गांव कालिंजर में मगरा क्षेत्र के आराध्य देव श्री इच्छापूर्ण दाणा बाबा का मेला धूमधाम से भरा। मंदिर में दिनभर दर्शन करने को लेकर भक्तों का तांता लगा रहा। मेला की पूर्व संध्या पर रात्रि जागरण में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रितुल म्यूजिकल ग्रुप ब्यावर के बैनर तले प्रदेशभर से आए एक से बढ़कर एक ख्यातिप्राप्त कलाकारों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भौर होने तक रोके रखा।

प्रसिद्ध भजन गायक धूलसिंह कडीवाल ने गणेश वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। धूलसिंह ने लाज राख ज्यों इच्छापूर्ण दाणा बाबा..., ऊंचा मगरा पे बैठोडी कालिंजर धराणी..., घूमा दे रहे बजरंग बालाजी..., कालिंजर सूं आवे बाबा कोटडा दरबार... आदि भजनों पर भक्त थिरकते नजर आएं। चित्तौड़गढ़ से आई नृत्यांगना सोनू ने मांथे पर 101 कलश लेकर आकर्षक भवई नृत्य प्रस्तुत किया तो हनुमान, दुर्गा शक्ति, शिव तांडव की झांकियों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

"रावता ने क्यूं ललकारे रे, थारा कने कांई है सामान..." इस गाने पर नृत्यांगना हंसा रंगीली और राखी रंगीली की आकर्षक नृत्य प्रस्तुति पर दर्शक दीर्घा में युवा नाचते-झूमते नजर आएं। हंसा और राखी की जोड़ी ने लोकगीतों पर जमकर ठुमके लगाए। हास्य कलाकार रमेश कुमावत ने दर्शकों को खूब हंसाया।"

युवाओं को जोश में होश संभालने की नसीहत"- एसपी रतनसिंहमेला संयोजक हरजीसिंह चौहान ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ब्यावर जिला पुलिस अधीक्षक रतनसिंह थे। एसपी रतनसिंह ने आयोजन को सराहनीय बताते हुए युवाओं को जोश में होश संभालने की नसीहत भी दी। विशिष्ट अतिथि जवाजा पंचायत समिति प्रधान गणपतसिंह रावत, जवाजा सरपंच संघ अध्यक्ष महिपालसिंह बामनहेड़ा, थानाधिकारी महादेव गुर्जर, भामाशाह पुखराज लखारा आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय सरपंच व प्रशासक ब्रजपालसिंह रावत ने की। इस मौके पर पूर्व सरपंच रमेश लाल, ओमप्रकाशसिंह राजश्री, युवराजसिंह पंवार, महेन्द्रसिंह गौड़, रूपसिंह गहलोत, बुधासिंह, श्रवणसिंह, हरिसिंह, जसवंतसिंह, सोनू गौड़, योगेन्द्रसिंह, राजेन्द्रसिंह, पुखराजसिंह, नरेन्द्रसिंह समेत मेला कमेटी कार्यकर्ता और जवाजा पुलिस थाना का जाब्ता के साथ-साथ बड़ी संख्या ब्यावर पुलिस लाइन से आरएसी के जवान और होमगार्ड भी तैनात रहे। मंच संचालन सरपंच ब्रजपालसिंह रावत व तरूण पंडित ने किया। कबड्डी में अंधेरी देवरी विजेता और उपविजेता रही बड़ासमेला में दूधिया रोशनी में डे-नाइट कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। मेला संयोजक हरजीसिंह चौहान ने बताया कि मेला में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता के रोमांचक फाइनल मुकाबले में अंधेरी देवरी ने बड़ास को हराकर चैंपियनशिप जीती। इसमें विजेता टीम अंधेरी देवरी को ग्यारह हजार रुपए नकद राशि पुरस्कार स्वरूप देकर पुरस्कृत किया। इसी प्रकार उपविजेता रही बड़ास टीम को सात हजार सौ रुपए नकद राशि पुरस्कार स्वरूप देकर पुरस्कृत किया गया।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 20 सितम्बर, 2025

आश्विन मास, कृष्ण पक्ष, चतुरशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, मघा नक्षत्र प्रात: 8:06 तक, साध्य योग रात्रि 8:07 तक, विष्टि करण दिन 11:57 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-तुला, बुध-कन्या, गुरू-मिथुन, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज भद्रा दिन 11:57 तक रहेगी। आज चतुरदशी का श्राद्ध और विष शास्त्रादि से मृतकों का श्राद्ध है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:49 से 9:19 तक, चर 12:20 से 1:51 तक, लाभ-अमृत 1:51 से 4:52 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:18, सूर्यास्त 6:13

मेष
परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी और अनावश्यक धन खर्च होगा।

वृष
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता यथावत बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार में आज शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कर्क
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में वाद-विवाद हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज धार्मिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

तुला
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आज स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी।

कुंभ
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 319 प्रभात उदयपुर, शनिवार 20 सितम्बर, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ट्रंप के टैरिफ के ''श्राप'' को भारतीय ज्वैलर्स ने वरदान में तब्दील किया

ज्वैलरी पर लगे 50 प्रतिशत टैरिफ को, बड़ी होशियारी से कानूनी दाँव-पेच से 5.5 प्रतिशत टैरिफ में बदला

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19, सितंबर। जब ट्रंप प्रशासन ने भारत से आभूषण आयात पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया, तो इस कदम का उद्देश्य अमेरिका के सबसे बड़े सोने और हीरे के आभूषणों के सप्लायरों में से एक को करारा झटका देना था। अमेरिका के आभूषण आयात में भारत का एक बड़ा हिस्सा है और इस शुल्क से कीमतें बढ़ने, मार्जिन कम होने और लाखों लोगों की आजीविका को सहारा देने वाले उद्योग को झटका लगने का खतरा है।

लेकिन इस समस्या को एक अनूठा ट्विस्ट देते हुए, भारतीय ज्वैलर्स ने टैरिफ की दीवार को पार करने का एक रास्ता खोज लिया है। इस काम में सबसे आगे है, मुंबई स्थित आभूषण निर्माता गोल्डियम इंटरनेशनल लिमिटेड, जिसके पास लगभग चार दशकों का वैश्विक अनुभव है। टैरिफ से कुचले जाने के बजाय, कंपनी ने इसे एक अवसर में बदल दिया है।

इसका राज़ अमेरिकी टैरिफ़ कानून के एक अनदेखे प्रावधान में छिपा है: यदि कच्चा माल अमेरिका का है और प्रोसैसिंग के लिए विदेश भेजा जाता है और तैयार माल के रूप में वापस आता है, तो आयात शुल्क सिर्फ अतिरिक्त वैल्यू एडिशन पर ही लागू होता है। गोल्डियम ने अपनी सप्लाई चेन को इस छूट के अनुसार दोबारा ढाल लिया है।

यह व्यवस्था इस प्रकार काम करती है। कंपनी अमेरिका से सोना खरीदती है, जिससे उसे टैरिफ नियमों के तहत ''घरेलू'' दर्जा मिल जाता है। आधे-तैयार आभूषण भारत भेजे जाते हैं, जहाँ कारीगर इन आभूषणों को पॉलिश करते हैं और हीरे जड़ते हैं। इन उन्नत उत्पादों को फिर से अमेरिका निर्यात किया जाता है। 50 प्रतिशत का कठोर टैरिफ चुकाने के बजाय, गोल्डियम को अतिरिक्त श्रम और हीरों पर केवल 5.5 प्रतिशत शुल्क देना पड़ता है, जो प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले बहुत कम है।

गोल्डियम के लिए, यह सिर्फ़

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अमेरिका के टैरिफ कायदे-कानून के अनुसार, अगर किसी भी कच्चे माल की खरीद अमेरिका में होती है तथा इस खरीद को विदेश भेजकर ''प्रोसेस'' कराया जाता है तो वह तैयार माल जब अमेरिका में बिक्री के लिये आता है तो उस प्रॉडक्ट की ''प्रोसेसिंग लागत'' पर ही टैरिफ लगता है, जो लगभग 5.5 प्रतिशत ही होता है, पर, अगर सीधा तैयार माल अमेरिका भेजा जाए तो उस पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगता है।
- भारतीय ज्वैलर्स अमेरिका में सोना खरीद कर, ''सेमी फिनिश्ड'' हालत में भारत भेज रहे हैं। भारतीय कारीगर उस ''सेमी फिनिश्ड'' सोने की ज्वैलरी को पॉलिश आदि करके चमकाकर, उसमें हीरे, माणिक, रूबी, आदि रत्न, डिज़ाइन के अनुसार सैट करके अमेरिका वापस भेज देते हैं, बिक्री के लिए। अतः अब निर्यात की गई ज्वैलरी पर केवल 5.5 प्रतिशत टैरिफ लगता है, न कि 50 प्रतिशत जो सीधे अमेरिका को एक्सपोर्ट करने पर लगता।

लोकसभाध्यक्ष के ओ.एस.डी. दत्ता को सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली

सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश में कोई हस्तक्षेप करने से इन्कार किया तथा हाई कोर्ट को इंगित किया कि वह राजीव दत्ता के खिलाफ एफआईआर दर्ज करायें, ''ह्यूमन ट्रैफिकिंग के मामले में

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 19 सितम्बर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला के ओएसडी (ऑफ़िसर ऑन स्पेशल ड्यूटी) राजीव दत्ता की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें कोई राहत देने से इनकार कर दिया है और हाई कोर्ट को उनके खिलाफ मानव तस्करी और उनके खिलाफ केस करने वाले वकीलों को डराने-धमकाने के आरोपों में एफ आई आर दर्ज करने का निर्देश दिया है।

सूत्रों के अनुसार, आज सुबह स्वयं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के आवास पर जाकर मुलाकात की। बताया जा रहा है कि उन्होंने मेहता से कहा कि सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली है, और यह सुनिश्चित करने को कहा कि राजीव दत्ता के खिलाफ एफ आई आर दर्ज न हो। राजीव दत्ता की ओर से सुप्रीम कोर्ट में देश के नामी वकीलों की टीम ने पैरवी की, लेकिन इसके बावजूद कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए पूछा कि याचिकाकर्ताओं के खिलाफ 5 झूठे केस क्यों दर्ज किए गए और उन्हें असामाजिक तत्वों के मार्फत क्यों धमकाया गया। सुप्रीम कोर्ट ने दत्ता को यह विकल्प जरूर दिया है कि वे चाहें तो दोबारा हाई कोर्ट में जा सकते हैं। जयपुर में एफ आई आर लेकिन अब तक हाई कोर्ट द्वारा दर्ज करने का जो निर्देश पुलिस को दिया गया था, वह अभी तक लागू नहीं किया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- विश्वस्त सूत्रों के अनुसार, स्वयं ओम बिड़ला शुक्रवार की सुबह, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के घर गए, उन्हें बताने कि दत्ता को सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली है और वे (तुषार मेहता) दत्ता के खिलाफ एफआईआर दर्ज न होने दें।
- राजीव दत्ता की ओर से कई बड़े-बड़े वकील सुप्रीम कोर्ट गए हुए थे, उनके मामले की पैरवी करने के लिए। पर, फिर सुप्रीम कोर्ट राजीव दत्ता से काफी सख्ती से पेश आया और पूछा कि याचिका दायर करने वालों के खिलाफ पाँच-पाँच केस दर्ज करवाये गये हैं तथा उन्हें धमकी दी जा रही है।

सिंगर जुबिन गर्ग की हादसे में मौत

नई दिल्ली, 19 सितम्बर। बॉलीवुड के गलियारों से एक दिल तोड़ने वाली खबर सामने आई है। 90 के दशक में हिंदी सिनेमा को या अली, सुबह-सुबह, दिल तू ही बता और जिया रे जिया रे जैसे कई सुपरहिट गाने देने वाले सिंगर जुबिन गर्ग का निधन हो गया है।

52 साल के असम के मशहूर सिंगर और कल्चरल आइकॉन जुबिन गर्ग की जान स्कूबा डाइविंग करते हुए गई है। उनके निधन की जानकारी असम के कैबिनेट मंत्री ने शुक्रवार की दोपहर में शेयर की है। सिंगर जुबिन गर्ग जब स्कूबा डाइविंग कर रहे थे तो उस दौरान उनके साथ ये हादसा हुआ। सिंगापुर पुलिस ने मौके पर जाकर उन्हें समुद्र से रेस्क्यू किया और तुरंत ही पास के अस्पताल लेकर गए। अस्पताल में पूरी मेडिकल केयर के बावजूद, उन्हें बचाया नहीं जा सका। जुबिन गर्ग सिंगापुर में नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल को अटेंड करने के लिए गए थे, जहां उन्हें 20 सितंबर को परफॉर्म करना था।

- जुबिन गर्ग सिंगापुर में स्कूबा डाईविंग कर रहे थे वहाँ हादसे में उनकी मौत हो गई। गर्ग असम के कल्चरल आईकन थे।

दिल्ली युनिवर्सिटी में एबीवीपी का झंडा लहराया

नयी दिल्ली, 19 सितंबर। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डीयूएसयू) चुनावों में इस बार अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने अध्यक्ष समेत तीन पदों पर जीत हासिल की है। एबीवीपी ने अध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव पद पर जीत हासिल कर एक बार फिर से इतिहास रचा है। जबकि एनएसयूआई को सिर्फ उपाध्यक्ष पद से ही संतोष करना पड़ा है।

डूसू चुनाव में अध्यक्ष पद समेत तीन पदों पर एबीवीपी की जीत पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत कई भाजपा नेताओं ने बधाई दी है। दिल्ली के सांसदों मनोज तिवारी, कमलजीत सहरावत , बांसुरी स्वराज के साथ-साथ गोरखपुर से सांसद रवि किशन तथा कुछ अन्य नेता भी बधाई देने वालों में शामिल हैं। डूसू अध्यक्ष पद पर एबीवीपी के प्रत्याशी आर्यन मान ने 15 हजार से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की है। उपाध्यक्ष पद पर एनएसयूआई के राहुल झांसला जीते हैं। सचिव पद पर एबीवीपी के कुणाल चौधरी ने जीत दर्ज की है। संयुक्त सचिव पद पर एबीवीपी की दीपिका झा ने जीत दर्ज की है। अध्यक्ष चुने गये आर्यन मान हरियाणा के बहादुरगढ़ से हैं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित हंसराज कॉलेज से स्नातक किया है। वर्तमान में लाइब्रेरी साइंस के छात्र हैं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि के खिलाफ तथा बुनियादी ढ ांचे के विकास आदि विषयों को लेकर एबीवीपी द्वारा किये गये आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभायी है।

- दिल्ली युनिवर्सिटी छात्रसंघ चुनाव में एबीवीपी ने अध्यक्ष, महासचिव व संयुक्त सचिव पद जीता है। उपाध्यक्ष पद एनएसयुआई को मिला है।

'आईबी के आग्रह पर मैं आतंकियों से मिला, इसे अब मेरे खिलाफ ''यूज़'' किया जा रहा है'

तिहाड़ जेल में बंद अलगाववादी कश्मीरी नेता यासीन मलिक ने हाई कोर्ट में दायर 81 पेज के हलफनामे में दावा किया

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली,19 सितंबर। मृत्युदंड की सजा पाए कश्मीर के पूर्व अलगाववादी नेता यासीन मलिक ने दावा किया है कि 1990 में गिरफ्तारी के बाद उन्हें लगातार 6 सरकारों वी.पी. सिंह से लेकर मनमोहन सिंह तक-द्वारा कश्मीर मुद्दे पर बातचीत और समाधान के लिए सक्रिय रूप से शामिल किया गया था।

मलिक ने दिल्ली हाई कोर्ट में बताया कि 2006 में उन्होंने पाकिस्तान में स्थित आतंकवादी हाफिज सईद और अन्य उग्रवादियों से मुलाकात की थी, और यह मुलाकात तत्कालीन खुफिया ब्यूरो के स्पेशल डायरेक्टर वी.के. जोशी के कहने पर हुई थी।

उन्होंने कहा, मुझे विशेष रूप से हाफिज सईद और पाकिस्तान के अन्य आतंकवादी नेताओं से मिलने के लिए कहा गया था। यह तर्क दिया गया था कि आतंकवाद और शांति वार्ता एक साथ नहीं चल सकती, खासकर जब राजधानी में बम धमाका हुआ था।

मलिक ने आगे कहा कि इस मुलाकात के बाद जब वे भारत लौटे, तो उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार एन.के. नारायणन से मुलाकात की और उन्हें पूरी जानकारी दी। मलिक, जिन्होंने तिहाड़ जेल नंबर 7 के डिप्टी सुपरिटेंडेंट के सह-हस्ताक्षर के साथ 81 पन्नों का हलफनामा दाखिल किया है, ने आगे दावा किया कि पाकिस्तान में आतंकी नेताओं से मुलाकात के बाद जब वे भारत लौटे, तो उन्होंने प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार एन.के. नारायणन से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- मलिक ने कहा, 2006 में आईबी के स्पेशल डायरैक्टर वी.के. जोशी के कहने पर मैं हाफिज़ सईद व अन्य आतंकियों से मिला था। मुलाकात के बाद मैंने प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार एन.के. नारायणन् से बात कर उन्हें जानकारी दी थी।
- मलिक ने कहा, कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद प्र.मंत्री मनमोहन सिंह ने मुलाकात कर कहा था कि वे कश्मीर मुद्दे का हल करना चाहते हैं।

एसआई पेपर लीक में एक और प्रोबेशनर गिरफ्तार

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में कार्रवाई करते हुए, एक प्रोबेशनर एसआई को गिरफ्तार किया है, जो चित्तौड़गढ़ पुलिस लाइन में तैनात था। गिरफ्तार प्रोबेशनर एसआई परीक्षा से पहले लीक सॉल्व पेपर को पढ़ कर चयनित हुआ था। एसओजी फिलहाल गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी एसओजी) वीके सिंह ने बताया कि एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में कार्रवाई करते हुए, प्रोबेशनर एसआई कैलाश कुमार विश्नोई निवासी सांचौर जिला जालोर गिरफ्तार किया गया है। कैलाश कुमार एसआई भर्ती पेपर की दोनों पारियों की लिखित परीक्षा में लीक हुआ सॉल्वड पेपर पढ़ कर चयनित हुआ था और वर्तमान में पुलिस लाइन चित्तौड़गढ़ में पुलिस एसआई (प्रोबेशनर) है। अब तक 56 एसआई सहित, कुल 127 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गौरतलब है कि एसआई भर्ती परीक्षा 2021 पेपर लीक मामले में एसओजी की ओर से साल 2024 में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

चुनाव आयोग के बचाव में राहुल गांधी के खिलाफ पूरी ताकत से मैदान में उतरी भाजपा

शुक्रवार को एक के बाद एक भाजपा के दिग्गज नेताओं ने राहुल गांधी की और उनके वोट चोरी के आरोपों की कड़ी आलोचना की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19, सितंबर। कथित वोट चोरी के आरोपों को लेकर चुनाव आयोग पर हो रहे हमले के बीच, सत्तारूढ़ भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए ने आज विपक्ष के नेता राहुल गांधी को देश में अशांति फैलाने की कथित कोशिशों को लेकर निशाने पर लिया।

एनडीए के कई नेताओं ने कांग्रेस नेता के हालिया बयानों की आलोचना की है, जिनमें उन्होंने जेनरेशन ज़ेड को लोकतंत्र का रक्षक बताया था। उन्होंने राहुल गांधी पर देश में अशांति फैलाने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

जब भाजपा पर खतरा आता है, तो उसका मुख्य हथियार आक्रामक होना होता है और भाजपा के नेता सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने विपक्ष के नेता पर देश के युवाओं को उकसाने का आरोप लगाते हुए यह बात पूरी स्पष्टता के साथ प्रदर्शित की। उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी देश के युवाओं, छात्रों और जेन ज़ेड को भड़का रहे हैं। वे उन्हें राष्ट्र के खिलाफ उकसा रहे हैं। यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है। देश के युवा प्रधानमंत्री मोदी को पसंद करते हैं। उन्हें पता है कि यह सरकार उनके लिए और गरीबों के लिए काम कर रही है।''

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी राहुल गांधी पर निशाना साधा और पूर्ववर्ती और वर्तमान शासन के बीच तीव्र अंतर को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, ''जिन लोगों ने देश को लूटा, उन्हें अपने बचाव पर ध्यान देना चाहिए। जब उनके पिता, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कहा था कि सरकार द्वारा दिये गये हर एक रुपये में से 85 पैसे भ्रष्टाचार में चले जाते हैं, तो लोग स्तब्ध रह गए थे। आज प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में अगर एक लाख करोड़ रुपये सरकार की योजनाओं के तहत भेजे जाते हैं, तो पूरा पैसा सीधे लोगों तक पहुंचता है।''

इसी तरह, जनता दल (यू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कांग्रेस सांसद की टिप्पणी की आलोचना की और भारतीय युवाओं में किसी भी प्रकार की सत्ता-विरोधी लहर से इनकार किया। उन्होंने कहा, ''भारत के युवा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ''विज़न 2047'' से जुड़ रहे हैं। यहां कोई सत्ता विरोधी लहर नहीं है। भारत में लोग नौकरियों, तकनीक और विकास पर केन्द्रित हैं, न कि सत्ता परिवर्तन पर।''गुरुवार को, राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा था, ''देश के युवा, देश के छात्र, जेन ज़ेड संविधान को बचाएंगे, लोकतंत्र की रक्षा करेंगे और वोट चोरी को रोकेंगे। मैं हमेशा उनके साथ हूं। जय हिंद!''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भाजपा नेता सैय्यद शाहनवाज़ हुसैन ने कहा कि विपक्ष के नेता देश के युवा वर्ग व जनरैशन ज़ैड को देश के खिलाफ भड़का रहे हैं।
- भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने राहुल पर देश के लोकतंत्र को कमज़ोर करने का आरोप लगाया। जद (यू) नेता राजीव रंजन प्रसाद ने भी राहुल के खिलाफ मोर्चा खोला।
- भाजपा सूत्रों ने बताया कि केन्द्रीय मंत्री अमित शाह के निर्देश पर भाजपा व एनडीए के नेता राहुल पर आक्रमण कर रहे हैं, क्योंकि उनकी वोट चोरी विरोधी मुहिम बिहार में ही नहीं देश भर में जोर पकड़ रही है।

साउदी अरब व पाकिस्तान का सुरक्षा अनुबंध क्या केवल आपसी सुरक्षा का वादा है?

सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है, इस अनुबंध में कोई ''सुरक्षा की गारंटी'' नहीं है, एक पर आक्रमण होने पर दूसरा हथियार लेकर लड़ने चला आयेगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19, सितंबर। ''स्वराज्य'' पत्रिका में प्रकाशित एक विश्लेषण में कहा गया है कि सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बीच हुए रणनीतिक समझौते का भारत पर बहुत गहरा असर पड़ेगा।

विश्लेषण में कहा गया है कि इस समझौते के अनुसार, किसी एक देश पर हमला, दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। सऊदी और पाकिस्तानी आधिकारिक मीडिया ने कहा है कि यह समझौता किसी भी आक्रामकता के खिलाफ संयुक्त प्रतिरोध को मजबूत करता है और दशकों से चली आ रही रक्षा साझेदारी को संस्थागत रूप देता है।

ऐतिहासिक रूप से, सऊदी-पाक सुरक्षा सहयोग काफी गहरा रहा है। सन् 1947 में पाकिस्तान को मान्यता देने वाले शुरुआती देशों में सऊदी अरब भी था और 1951 की ''ट्रीटी ऑफ फ्रैंडशिप'' ने उनके करीबी रिश्तों की नींव रखी। 1960 के दशक से, पाकिस्तान ने सऊदी अरब में सैनिक और प्रशिक्षक भेजे हैं और हज़ारों सऊदी अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया है।

रियाद इस रिश्ते के तहत अक्सर इस्लामाबाद को कर्ज़ और तेल-क्रेडिट के रूप में आर्थिक मदद भी देता रहा है।

नया समझौता ऐसे समय आया है, जब क्षेत्र में अस्थिरता है। खाड़ी देशों में सीमापार संघर्षों और अमेरिका की कम होती दखलंदाजी के कारण सुरक्षा चिंता बढ़ी है। हाल के वर्षों में गाज़ा में इज़राइल का युद्ध और पड़ोसी देशों पर उसके हमले, जिनमें 9 सितम्बर 2025 को दोहा पर हवाई हमला शामिल है, अरब देशों की राजधानियों को बेचैन कर चुके हैं।

खाड़ी नेताओं को अब केवल अमेरिकी सुरक्षा पर भरोसा करने में हिचक होने लगी है, क्योंकि वॉशिंगटन इज़रायल का खुला समर्थन करता है। इसी बीच, इस साल की शुरुआत में भारत ने एक संक्षिप्त संघर्ष के अन्तर्गत पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों पर हमला किया था, जिससे पाकिस्तान फिर से गहरी आर्थिक मुसीबत में पहुँच सकता था, जबकि उसने हाल ही में उससे थोड़ा बाहर निकलना शुरु किया था। पर्यवेक्षकों का कहना है कि सऊदी-पाकिस्तानी समझौता इन्हीं दबावों को प्रदर्शित करता है। भारतीय अधिकारियों ने, इस पर संयमित प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने दोहराया है कि सरकार को पहले से पता था कि ऐसा समझौता हो सकता है और अब उसके राष्ट्रीय सुरक्षा पर असर का अध्ययन किया जाएगा। भारतीय मीडिया ने बताया कि बातचीत के दौरान सऊदी अधिकारियों ने भारत को भरोसे ले रखा था, यानी दिल्ली पूरी तरह अंधेरे में नहीं थी। राजनीतिक विश्लेषक इस समय को अमेरिका की पीछे हटने वाली भूमिका और मध्य पूर्व की उथल-पुथल से जोड़कर देखते हैं, न कि भारत के लिए किसी सीधी धमकी के रूप में। कुल मिलाकर, भारत अचानक चौंका नहीं और अधिकारियों ने सतर्क चिंता ज़ाहिर करते हुए कहा है कि वे देखेंगे कि यह समझौता उपमहाद्वीप और क्षेत्र की स्थिरता पर कैसा असर डालता है।

क्या इसमें कोई सुरक्षा गारंटी शामिल है? हाँ और नहीं। इस समझौते की मुख्य धारा कहती है कि एक पर हमला, दोनों पर हमला माना जाएगा। यह मूल रूप से परस्पर रक्षा की प्रतिबद्धता है। इस नज़रिए से यह एक तरह की सुरक्षा गारंटी तो देता है, क्योंकि दोनों एक-दूसरे के खिलाफ़ किसी हमले को रोकने या जवाब देने का वादा करते हैं। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यह मुख्यत: राजनीतिक और प्रतीकात्मक है। जारी किये गये बयानों में साझा रोकथाम और परामर्श पर ज़ोर है, लेकिन इनमें यह स्पष्ट नहीं है कि किसी हमले की स्थिति में सऊदी या पाकिस्तान बिना शर्त फ़ौज भजेंगे ही।

पर्यवेक्षक इसकी तुलना ''नाटो के आर्टिकल 5'' से करते हैं, क्योंकि इसमें साझेदार को परस्पर समर्थन का वचन तो दिया गया है लेकिन वास्तविक सैन्य कार्रवाई का फ़ैसला हालात देखकर किया जाएगा। पाकिस्तान के पहले के शीतयुद्ध कालीन अमेरिका के साथ रक्षा समझौते भी स्वत: (ऑटोमैटिक) हस्तक्षेप की गारंटी नहीं देते थे।

- शीत युद्ध के प्रारंभिक दिनों में पाकिस्तान ने अमेरिका से ऐसे कई समझौते (पैक्ट्स) किये थे तथा अमेरिका ने कोई गारंटी नहीं दी थी कि पाकिस्तान पर कोई हमला होने पर, अमेरिका उसके पक्ष में युद्ध भूमि में कूद पड़ेगा।
- एक्सपर्ट्स का यह भी मानना है कि यह साउदी अरब व पाकिस्तान के बीच हुए समझौते का लक्ष्य भारत नहीं है, बल्कि इस उत्पत्ति का मुख्य कारण है, अमेरिका का आँख बंद करके इज़रायल का साथ देना, चाहे गाज़ा स्ट्रिप पर इज़रायल का हमला हो या 9 सितंबर 2025 को इज़रायल द्वारा बमबारी। अतः अब खाड़ी देश केवल अमेरिका पर अपनी सुरक्षा के लिए निर्भर नहीं रहना चाहते।

भक्ति संध्या में गूंजे बालाजी के भजन

पोकरण। कस्बे के अंजनी माता मंदिर महारथी मारूति सेवा सदन आश्रम, फलसूंड रोड स्थित हनुमान मंदिर में गुरुवार की रात्रि को भक्ति और आस्था का अनूठा संगम देखने को मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर सेवा पखवाडा के अंतर्गत यहां सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में पोकरण विधायक एवं तारातरा मठ के मठाधीश महंत प्रतापपुरी महाराज उपस्थित रहे।

सुन्दरकाण्ड पाठ के दौरान जैसे ही महंत प्रतापपुरी महाराज व अन्य संत मंदिर में पूजा-अर्चना कर धार्मिक चर्चाओं में लीन थे, तभी अचानक मंदिर कक्ष में एक छोटा वानर पहुंच गया। संतों के पास रखे ड्राई फ्रूट और फल खाकर उसने सबको चौंका दिया। इसके बाद वानर सीधे विधायक प्रतापपुरी महाराज के सिर पर चढ बैठा और कुछ देर तक वहीं ठहर कर कूदता-फांदता नजर आया। यह दृश्य देखते ही श्रद्धालुओं ने इसे अदभुत मानते हुए अपने मोबाइल कैमरों में कैद कर लिया। लोगों ने वानर के मंदिर में इस तरह आना और संतों के बीच बैठना भगवान हनुमान की कृपा का प्रतीक माना। श्रद्धालुओं का मानना था कि वानर का यह व्यवहार हनुमान जी के आशीर्वाद का द्योतक है, क्योंकि वानर को स्वयं बजरंगबली का प्रतीक माना जाता है।

ओरण गोचर को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करवाने के लिए चौथे दिन धरना जारी

किसानों को 18 घंटे बिजली देने तथा लंबित फाइलों को जयपुर भिजवाने की मांग

जैसलमेर। ओरण टीम द्वारा कलेक्टर कार्यालय के सामने दिए जा रहे धरने का चौथे दिन प्रशासन का कोई भी ठोस आश्वासन नहीं मिला तीसरे दिन चल रहे ग्रामीण सेवा शिविरों का ग्राम पंचायत पुनम नगर, सताया,पिथला, तेजरवा, बईया, आसकन्दरा,भैसडा, रुपसी, अन्य जगह चल रहे सेवा शिवरों का ग्रामीणों द्वारा बहिष्कार किया गया। वह मुख्यमंत्री के नाम और गोचर को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करवाने का ज्ञापन सोपा गया ग्रामीणों द्वारा टीम ओरण के सहयोग से जिला कलेक्टर प्रतापसिंह , विधायक जैसलमेर छोटूसिँह भाटी, पोकरण प्रतापपुरी को ज्ञापन सौपा गया जिसकी मुख्य मांगे और गोचर नदी नाले कुए तालाब खडीन आगौर की भूमियों के संरक्षण गांव ढाणिया की आबादी का विस्तार कंपनियों में स्थानियों को रोजगार भूमि किसानों को भूमि आवंटन व किसानों को 18 घंटे बिजली देने हेतु तथा ओरण की जो फाइलें कलेक्टर कार्यालय में लंबित हैं उन्हें यथाशीघ्र जयपुर भिजवाने की और नई ओरण की पत्रावलियो तैयार करने हेतु ज्ञापन सोपा गया धरणे में सुमेरसिंह सांवता, भोपालसिंह झलोड़ा, कुन्दन सिंह मोकला, दुर्गसिंह सत्याया, अमरसिंह खुहडी, चुतरसिंह, हेम सिंह दवाडा रमेशसिंह,मनोहरसिंह मोकला, अनोप सिंह बडोडा गांव, रेवंत सिंह, विरमसिंह,रूगनाथ सिंह, लीलसिंह रणधा दिलीप सिंह सोढा आदी उपस्थित रहे।

धरना स्थल पर पोकरण विधायक प्रतापपुरी, पूर्व विधायक सांगसिंह ग्रामीणों से मिलने आये।

■ नगरीय विकास एवं स्वायत शासन मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने शहरी सेवा शिविर का अवलोकन किया

पुश्तैनी मकान का पट्टा मिला

भीलवाडा। राज्य सरकार एवं जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू के दिशा-निर्देशानुसार उपखण्ड क्षेत्र बिजोलिया में ग्रामीण सेवा शिविर 2025 का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 19 सितंबर को उपखण्ड अधिकारी बिजोलिया के नेतृत्व में ग्राम पंचायत आरोली में शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन संपन्न हुआ। शिविर के दौरान सोहनी पत्नी पूरणमल भील निवासी आरोली ने उपखंड अधिकारी के समक्ष अपने पुश्तैनी मकान का पट्टा जारी करने का निवेदन प्रस्तुत किया। उनके आवेदन पर तुरंत संज्ञान लेते हुए शिविर प्रभारी ने ग्राम विकास अधिकारी को नियमानुसार तत्काल कार्यवाही के निर्देशदिए। निर्देशों का पालन करते हुए मौके पर ही निरीक्षण कर ग्राम विकास अधिकारी द्वारा पात्र लाभार्थी का पुश्तैनी मकान का पट्टा प्रदान किया गया। इस त्वरित समाधान से लाभार्थी के चेहरे पर संतोष एवं प्रसन्नता झलक उठी। शिविर में मौजूद ग्रामीणों ने प्रशासन की तत्परता, संवेदनशीलता और समस्याओं के शीघ्र समाधान की सराहना करते हुए इस पहल को अत्यंत लाभकारी बताया। ग्रामीणों ने राज्य सरकार एवं उपखंड प्रशासन के प्रतिहृदय से आभार व्यक्त किया।

■ आवेदन आने पर शिविर प्रभारी ने तुरंत पटटा जारी करने के आदेश दिए

तीन आरोपियों को आजीवन कैद

भरतपुर (निस)। भरतपुर के चर्चित संजय बिहारी हत्याकांड में 3 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई हैं। साथ ही कृष्ण कुमार उर्फ बेबी पर 60 हजार, नरेश गुप्ता और बिट्टू पर 50-50 हजार का जुर्माना लगाया है। दोष सिद्ध होने पर संजय बिहारी फरार हो गया था। आज मथुरा गेट थाना पुलिस आरोपी बेबी को पकड़कर लाई और कोर्ट में पेश किया, जहां सजा सुनाई गई।

लोक अभियोजक नरेश सेन ने बताया कि 28 जनवरी 2023 को बेबी और नरेश गुप्ता ने संजय बिहारी नाम के व्यक्ति को फोन कर अपने घर बुलाया। जब संजय उनके घर पहुंचा तो वहां नरेश गुप्ता, कृष्ण कुमार उर्फ बेबी और बिट्टू चाय पी रहे थे। संजय भी उनके पास जाकर बैठ गया। तभी अचानक बेबी वहां से उठकर अपने कमरे में गया और कट्टा लाकर संजय बिहारी को पीछे से गोली मार दी। इलाज के दौरान संजय बिहारी की मौत हो गई।

संजय बिहारी के परिजनों ने मथुरा गेट थाने में तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया। तीनों पर आरोप सिद्ध हो गया। आरोपी बेबी पर पहले से 25 मुकदमे दर्ज हैं। आरोप सिद्ध होने के बाद बेबी फरार हो गया था। आज मथुरा गेट थाना पुलिस बेबी को पकड़ कर थाने लेकर आई और कोर्ट में हाजिर किया।

Office Executive Engineer Water Resources Division Khajuwala

No.:-Acctt/ NIB 05/2025-26/1203 **Notice Inviting Bid** Dated:- 15/9/2025

(NIB Code WRN2526A0093)

Bid for the Reconstruction of Various Water Courses at Anoopgarh Branch IGNP estimated cost Rs 37.43 to 70.53 Lacs of invited from prospective bidders upto 24.09.2025 at 6.00 PM. Other particulars of the bids may be visited on the procurement portal http://www.eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in, of the state and www.water.rajasthan.gov.indepartmental website.

UBN No- WRN2526WSOB00274, WRN2526WSOB00275, WRN2526WSOB00276 WRN2526WSOB00277, WRN2526WSOB00278, WRN2526WSOB00279 WRN2526WSOB00280, WRN2526WSOB00281, WRN2526WSOB00282 WRN2526WSOB00283, WRN2526WSOB00284

(Nitish Kumar Nagar)
Executive Engineer
Water resources Division Khajuwala

DIPR/C/13800/2025

कार्यालय उप वन संरक्षक (वन्यजीव) राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल अभ्यारण्य, धौलपुर

महिला पुलिस थाने के पास हाउसिंग बोर्ड, पुरानी छावनी, धौलपुर पिन कोड 328001
Email ID:-dcfwl.ncs.forest@gmail.com

क्रमांकः एफ ()/ उवसं/वजीधौ./राचघअ./2025-26/2449 दिनांक-10/9/2025

Notice Inviting Bid

Bid for providing Construction of Choki and installation of solar pump at Forest Block of Wildlife Range Chambal sevar District- Dholpur of DCF WL NCS Dholpur are invited from interested bidders upto 11:00 AM, 22.09.2025, other particulars of bid may be visited on the procurement portal http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in of the state. The approximate value of the procurement is 20.00 lakhs.

UBN No. FOR2526WSOB01904

(डा. आशीष व्यास) उप वन संरक्षक (वन्यजीव) राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल अभ्यारण्य धौलपुर

DIPR/C/13751/2025

बीकानेर में पूर्व सरपंच को कुल्हाड़ी से काट डाला

प्रॉपर्टी विवाद में हत्या का शक, मर्डर के बाद से भतीजा फरार

बीकानेर। यहां पूर्व सरपंच की हुई नृशंस हत्या से सनसनी फैल गई है। हत्या के बाद से उसका भतीजा फरार है, ऐसे में पुलिस को उसी पर शक है।

जानकारी के अनुसार पूर्व सरपंच का मर्डर कुल्हाड़ी से किया गया है। घटना जिले के श्रीडूंगरगढ़ के धीरदेसर चोटियान गांव की देर रात की है। श्रीडूंगरगढ़ डीएसपी निकेत पारीक ने बताया कि पूर्व सरपंच मेघराज चोटिया (70) और उसके भतीजे बलबीर के बीच देर रात झगड़ा हुआ था। दोनों में दुकान को लेकर विवाद था। आशंका है कि बलबीर ने मेघराज की कुल्हाड़ी से वारकर हत्या कर दी। झगड़े दौरान मेघराज की पत्नी रामी देवी घर पर ही थी, लेकिन वो सो रही थी।

सुबह उसने मेघराज को लहूलुहान देखा तो बेटों व अन्य लोगों को घटना की जानकारी दी। पुलिस को भी सूचना दी गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच कई बार समझाइश की कोशिश हुई थी।

उम्मीद नहीं थी कि विवाद इतना बढ़ सकता है। पुलिस शुक्रवार सुबह से बलबीर को ढूंढ रही है। पुलिस ने कई जगह दबिश भी दी है। जानकारी के अनुसार मेघराज वर्ष 2005 से 2010 तक धीरदेसर चोटियान गांव के सरपंच थे। तभी से उनके परिवार में दुकान को लेकर विवाद था। पिछले दिनों गांव के कुछ लोगों की मध्यस्थता के बाद समझौता भी हुआ, लेकिन बलबीर इस समझौते को लेकर नाखुश था। इसी कारण वो देर रात झगड़ा करने पहुंचा। अब तक इस मामले में रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई है।

■ दोनों पक्षों के बीच कई बार समझाइश की कोशिश हुई थी। उम्मीद नहीं थी कि विवाद इतना बढ़ सकता है।

मनुज साहित्य सम्मान फतेह सिंह भाटी को

जयपुर। डॉ ओ पी शर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट चूरू की ओर से प्रतिष्ठित मनुज साहित्य सम्मान 2025 जोधपुर के साहित्यकार फतेह सिंह भाटी को अर्पित किया जायेगा।

यह जानकारी देते हुए ट्रस्ट के संरक्षक तेजकरण सुराणा और प्रबंध ट्रस्टी डॉ सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि रविवार, 21 सितम्बर को नगरश्री चूरू में आयोजित ट्रस्ट के वार्षिक साहित्य समारोह की अध्यक्षता विचारक और साहित्यकार कमल सिंह कोठरी करेंगे। मुख्य अतिथि जाने माने लेखक और जनसम्पर्क विभाग के उप निदेशक कुमार अजय होंगे।

समारोह के सूत्रधार प्रोफ़ेसर सुरेंद्र सोनी होंगे। डॉ ओ पी शर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रवक्ता राजेंद्र शर्मा मुसाफिर ने बताया इस अवसर पर श्रीमती स्नेहलता शर्मा के हिंदी कहानी संठाह वजूद का लोकार्पण भी होगा। गौरतलब है डॉ ओ पी शर्मा साहित्यानुरागी और शिक्षा शास्त्री के साथ लोकप्रिय होम्योपैथी चिकित्सक थे।

फुटबॉल मैत्री मैच का आयोजन

जालोर। जालोर जिला फुटबॉल संघ और जिला ओलम्पिक संघ जालोर के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को भीनमाल के शिवराज स्टेडियम में प्रात: 10 बजे डी एफ ए और वडाभाडवी ए टीमों के बीच सीनियर पुरुष फुटबॉल मैत्री मैच का आयोजन किया गया।

यह आयोजन जिला फुटबॉल संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं प्रोमैक पाइप और फेब्रिकेशन पुणे व मुंबई के निदेशक जगदीश सारण दाता के जन्मदिन के अवसर पर उनके खेलों के प्रति विशेष योगदान के फलस्वरूप सम्मान में किया जा रहा है। जालोर जिला फुटबॉल संघ के सचिव हरिराम डारा ने जानकारी देते हुए बताया कि जगदीश सारण दाता जिले में खेल और खिलाडियों के प्रोत्साहन के लिए हमेशा आगे आते हैं और खेल संघों और खिलाडियों को किट और आर्थिक सहायता प्रदान करते हैं। उनके इस योगदान से जिले के खिलाडियों का भविष्य संवर रहा है और वे अपने खेल कौशल को विकसित करने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। भामाशाह के जन्मदिन पर आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह के इस अवसर पर जालोर जिला ओलम्पिक संघ के अध्यक्ष प्रकाश बिश्नोई, महासचिव लाल सिंह सांखला, निंबाराम चौधरी प्राचार्य क्रीडा भारती के जिलामंत्री भागीरथ गर्ग उपस्थित रहेंगे। इस समारोह में नरपत देवासी, पंकज खिलेरी, प्रवीण सारण, उत्तम कबावत सहित फुटबॉल एवं खेल संघों के पदाधिकारी एवं खिलाडीगण भी मौजूद रहेंगे।जालोर जिला ओलम्पिक संघ के अध्यक्ष प्रकाश बिश्नोई ने कहा की फुटबॉल प्रतियोगिता के इस आयोजन के माध्यम से हम जगदीश सारण दाता के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं।

कार्यालय नगर पालिका सादड़ी (पाली) राजस्थान

क्रमांक : न.पा.सा./2025/2841-2843 दिनांक 17.09.2025

-:: कोरीजेण्डम निविदा सूचना ::-

एतद् द्वारा समस्त पंजीकृत संवेदको को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका सादड़ी द्वारा जारी ई-निविदा सूचना पालिका क्रमांक/नपासा/2025-26/2458-2460 दिनांक 01/09/2025 को आमंत्रित की गई थी। उक्त ई-निविदा में कार्य संख्या 01 व 03 में एकल निविदा प्राप्त होने से कार्य संख्या 01 व 03 को निरस्त किया जाता है। सूचित रहे।

DLB2526WSOB16378, DLB2526WSOB16376

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका सादड़ी

राज.संवाद/सी/25/10407

कार्यालय विश्वविद्यालय अभियन्ता, राजस्थान विश्वविद्यालय

क्रमांक :- यू.ई./लेखा/2025-26/1074 दिनांक :- 19/09/2025

निविदा सूचना संख्या 08/ 2025-26

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में विभिन्न कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में ऑन लाइन निविदा उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको, जो राजस्थान सरकार के सार्वजनिक निर्माण विभाग, केन्द्र सरकार के लोक निर्माण विभाग, डाक एवम् दूरसंचार विभाग, रेलवे एवम् अन्य राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के समकक्ष हो से, ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया के तहत निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा में कुल कार्यों की संख्या 02 है जिनकी कुल अनुमानित लागत 62.18 लाख है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in एवम् http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है जिसका यू.बी.एन. नम्बर URA2526WSOB00093 to 97 है।

NIB Code : URA2526A0033

राज.संवाद/सी/25/10453

विश्वविद्यालय अभियन्ता

3 बदमाश गिरफ्तार

भरतपुर (निस)। भरतपुर की मथुरा गेट थाना पुलिस ने सम्मोहित कर झांसे में लेकर ठगी करने वाली गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने 3 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। यह आरोपी लॉटरी खिलाने के नाम पर ठगी करते थे। जब लोग पैसे हारने लग जाते तो, वह अपने कीमती सोने के जेवर दाव पर लगाते और आरोपी उन्हें झांसे लेकर फरार हो जाते। अभी 2 आरोपियों की तलाश की जा रही है। सीओ पंकज यादव ने बताया की मथुरा गेट थाना पुलिस ने एक गैंग को पकड़ा है। यह गैंग लोगों को सम्मोहित कर और झांसा देकर लोगों से ठगी करती थी। इस गैंग के 4 लोग 2 बाइक से आते थे और, सड़क पर आने जाने लोगों को उलझाते थे।

किशोरी से दुष्कर्म का प्रयास, पीटीआई पर केस

श्रीगंगानगर। एफआईआर के अनुसार जिले के सरकारी स्कूल से पीड़िता सहित 5 छात्राओं को जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए गजसिंहपुर ले जाने के लिए शिक्षक (पीटीआई) कृष्णचंद्र बिश्नोई और महिला अनिता शिक्षक की ड्यूटी लगाई गई थी। 4 सितंबर को छात्राएं महिला शिक्षक व आरोपी के साथ गजसिंहपुर चली गईं। रात को मैच खत्म होने के बाद अध्यापिका अनिता चली गई। कृष्णचंद्र ने पीडिता व अन्य छात्राओं को पीडिता के एक रिश्तेदार के घर ठहरा दिया। खुद चला गया। अगले दिन 5 सितंबर को कृष्णचंद्र पीडिता के रिश्तेदार के घर आया अन्य छात्राओं को वहीं रोक दिया। अध्यापिका अनिता को गजसिंहपुर रेलवे स्टेशन से लाने के बहाने से पीड़िता को अपने साथ गाड़ी में ले गया। आरोप है कि रास्ते में उसे दोस्ती करने को कहा और अश्लील हरकतें की। पीड़िता ने इसका विरोध भी किया। इस घटना के बाद 7 सितंबर को भी आरोपी गजसिंहपुर से पदक व प्रमाण-पत्र आदि लाने बहाने से अकेली पीडिता को अपनी कार में अनजान रास्ते पर ले गया। जहां उसके साथ अश्लील हरकतें की और दुष्कर्म का प्रयास किया।

आरोपी ने उसे इस संबंध में किसी को कुछ भी नहीं बताने के लिए जान से मारने की धमकी दी। परिजनों के पास गांव लौटने के बाद पीडिता डरी सहमी थी। वह मानसिक अवसाद में आ गई थी। परिजनों ने काफी प्रयास के बाद पूछा तो पूरे मामले का खुलासा हुआ। आरोप है कि शिक्षक कृष्णचंद्र पहले भी उसके साथ अश्लील हरकतें कर चुका है। शिक्षक पर कुछ अन्य बालिकाओं के साथ भी अश्लील हरकतें करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

खेल प्रतियोगिता के दौरान हुई छात्रा से दुष्कर्म के प्रयास के मामले के विरोध में ग्रामीणों ने विरोध जताया और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर प्रधानाचार्या को सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा। घटना गजसिंहपुर थाना क्षेत्र में 7 सितंबर को हुई। इस संबंध में आरोपी कृष्णचंद्र बिश्नोई निवासी 16 जीबी, श्रीविजयनगर के खिलाफ पोक्सो एवं अन्य संबंधित धाराओं में नामजद केस दर्ज किया है। पूरे प्रकरण में एक महिला शिक्षक की लापरवाही भी सामने आई। मामले की जांच श्रीकरणपुर के पुलिस उपाधीक्षक संजीव चौहान कर रहे हैं। पीडिता का मेडिकल मुआयना करवाया गया है। पीडिता के परिजनों ने इस संबंध में 15 सितंबर को थाने में शून्य नंबर की एफआईआर दर्ज करवाई। बाद में इसी के आधार पर गजसिंहपुर थाने में केस दर्ज किया गया। प्रकरण को लेकर 181 नंबर पर शिकायत की गई है। मामले में शिक्षा विभाग के स्तर पर भी जांच के लिए दो प्रधानाचार्यों की कमेटी गठित की है। इस संबंध में ग्रामीणों की शिकायत भी मिली है। मामले की जांच के लिए दो प्रधानाचार्योंकी कमेटी गठित की गई है। कमेटी शुक्रवार को स्कूल जाकर जांच करेगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई के लिए उच्चाधिकारियों को लिखा जाएगा।

शिविर 25 को

जालोर। जिला प्रशासन व जिला रोजगार कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 25 सितम्बर को प्रात: 10 बजे राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) जालोर में एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर का आयोजन किया जायेगा। जिला रोजगार अधिकारी राजीव सुथार ने बताया कि रोजगार शिविर में बेरोजगार आशार्थियों को स्थानीय व निजी क्षेत्र के नियोजकों द्वारा साक्षात्कार लेते हुए उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जायेंगे।

राजस्थान सरकार
कार्यालय सहायक निदेशक, महिला अधिकारिता विभाग, करौली

वीणा मेमोरियल पीजी कॉलेज के पास, धनलक्ष्मी केन्द्र, KARAULI.WE@RAJASTHAN.GOV.IN

क्रमांकः दिनांकः

विज्ञप्ति

महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र नियमन एवं अनुदान योजना (संसोधित) - 2024 दिनांक 18.09. 2024 एवं निदेशालय महिला अधिकारिता, राजस्थान जयपुर के राजकाज पत्र क्रमांक 13542346 दिनांक 13.02.2025 में वर्णित शर्तों के अनुसार पात्रताधारी गैर-शासकीय संस्थाओं से निम्न महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र के संचालन हेतु प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते है।

क्र. सं.	पुलिस जिले का नाम	पुलिस सर्किल का नाम	महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र संचालन हेतु चयनित थाने का नाम
1	जिला महिला थाना करौली	महिला थाना करौली	महिला थाना करौली

आवेदन दो प्रतियों में निर्धारित प्रपत्र में दिनांक 23.09.2025 को सांयकाल 5.00 बजे तक कार्यालय सहायक निदेशक, महिला अधिकारिता वीणा मेमोरियल पीजी कॉलेज के पास, धनलक्ष्मी केन्द्र करौली में प्रस्तुत किये जा सकते है। संबंधित प्रारूप, पात्रता की शर्ते तथा नियम 2024 आदि विभागीय वेबसाइट www.wcd.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किये जा सकते है।

(अनिरूद्ध शर्मा)
सहायक निदेशक महिला अधिकारिता विभाग करौली

DIPR/C/13692/2025

मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने श्रमदान किया

जालोर। निकटवर्ती भागली सिंधलान में गुरूवार को आयोजित शिविर में "स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम-2025" का आयोजन किया गया। जिसमें राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने भागली सिंधलान पंचायत समिति परिसर में साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया।

मुख्य सचेतक ने कहा कि "स्वच्छता ही सेवा है और यह अभियान तभी सफल होगा जब प्रत्येक नागरिक इसे अपनी जिम्मेदारी समझकर आगे बढ़े। कार्यक्रम में स्वच्छता के महत्व को रेखांकित करने के साथ ही समाज को स्वच्छ एवं स्वस्थ रखने में सामूहिक भागीदारी पर बल दिया गया।

इस दौरान ग्रामीणों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई और स्वच्छ भारत अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दिलाया गया।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने पंचायत समिति परिसर एवं आस-पास सफाई अभियान चलाया और स्वच्छ भारत का संदेश दिया। ग्रामीणों ने भी सक्रिय सहयोग कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

इस दौरान जालोर प्रधान नारायण सिंह राजपुरोहित, तहसीलदार, विकास अधिकारी प्रदीप मायला सहित ग्रामीण मौजूद रहें।

मंत्री खर्रा ने लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं के चैक प्रदान किए

दौसा। नगरीय विकास एवं स्वायत शासन मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने शुक्रवार को यहां बारादरी मैदान में आयोजित शहरी सेवा शिविर का अवलोकन कर विभिन्न योजनाओं में लाभार्थियों को पट्टे एवं चैक प्रदान किए।

मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने शिविर में उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार राज्य सरकार ने शहरी एवं ठााम सेवा शिविरों का आयोजन किया है। इनके माध्यम से भूमि पट्टा, भूमि विभाजन, नामान्तकरण, सफाई, नाली, सड़क मरम्मत, रोशनी जैसे आवेदन प्राप्त कर आमजन की समस्याओं का त्वरित गति से मौके पर ही निस्तारण किया जा रहा है। साथ ही, लम्बित रहने वाले प्रकरणों का निश्चित समय सीमा में निस्तारण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा इन शिविरों के माध्यम से गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को राहत पहुंचाना है। काम में पारदर्शिता एवं समयबद्धता के लिए आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन रखा गया है। यदि कोई व्यक्ति ऑनलाइन आवेदन नहीं कर पाता है, तो उसके लिए भी शिविरों में विशेष व्यवस्था की गई है।

मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने शहरी सेवा शिविर का अवलोकन कर लाभार्थियों को चैक प्रदान किए।

■ नगरीय विकास एवं स्वायत शासन मंत्री खर्रा ने शहरी सेवा शिविर का अवलोकन किया

उन्होंने कहा कि यदि किसी आवेदन में गलती से कोई कमी रह गई हो तो उसे भी दुरुस्त कराकर नियमानुसार लाभ दिया जा रहा है। मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने उपस्थित लोगों से आ ान करते हुए कहा कि पात्र एवं जरूरतमंद लोग शहरी सेवा शिविरों में पहुंचकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लें। उन्होंने इन शिविरों का आमजन को समुचित फायदा दिलवाने में प्रबुद्धजन से सक्रिय भागीदार बनने का आग्रह किया। नगरीय विकास एवं स्वायत शासन मंत्री ने लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं के पट्टे और प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना एवं आवास योजना (शहरी) के चैक प्रदान किए। इस अवसर पर पूर्व विधायक शंकरलाल शर्मा, नगर परिषद सभापति कल्पना जैमन, नगर परिषद आयुक्त कमलेश मीणा एवं जगमोहन मीणा सहित अन्य प्रबुद्धजन एवं आमजन उपस्थित थे।

कार्यालय सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, ऋषभदेव

क्रमांकःएफ 3(1)लेखा/देव/ऋषभ/2025-26/3146 दिनांकः11/09/25

ई निविदा सूचना संख्या- 02./2025-28

इस कार्यालय द्वारा प्रबंधित एवं नियंत्रित राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार एवं आत्म निर्भर श्रेणी के मंदिरों में दो वर्षों में विविध उत्सवों के आयोजनों हेतु विभिन्न सामग्री उपलब्ध करवाने एवं कार्यों हेतु पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण वेबसाईट devasthan.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in तथा htpp://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत दो वर्ष हेतु (लाख में)	बोली प्रतिभूति राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र शुल्क (रूपये में)	प्रोसेसिंग शुल्क (रूपये में)
1.	देवस्थान विभाग द्वारा द्वारा प्रबंधित एवं नियंत्रित राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार एवं आत्म निर्भर श्रेणी के मंदिरों मे जिला डुंगरपुर में 2 वर्ष के लिये उत्सवों के आयोजन करवाये जाने हेतु टेंट, विद्युत सजावट कार्य, भजना संध्या, फुल व बलुन सजावट कार्य सामग्री एवं कार्य हेतु दर संविदा ।	60.00 लाख	120000/-	2000/-	1000/-
2.	देवस्थान विभाग द्वारा द्वारा प्रबंधित एवं नियंत्रित राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार एवं आत्म निर्भर श्रेणी के मंदिरों मे जिला बॉसवाडा में 2 वर्ष के लिये उत्सवों के आयोजन करवाये जाने हेतु टेंट, विद्युत सजावट कार्य, भजना संध्या, फुल व बलुन सजावट कार्य सामग्री एवं कार्य हेतु दर संविदा।	80.00 लाख	160000/-	2000/-	1000/-
3.	देवस्थान विभाग द्वारा द्वारा प्रबंधित एवं नियंत्रित राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार एवं आत्म निर्भर श्रेणी के मंदिरों मे जिला डुंगरपुर में 2 वर्ष के लिये उत्सवों के आयोजन करवाये जाने हेतु पुजन एवं भोग सामग्री हेतु दर संविदा।	20.00 लाख	40000/-	1000/-	500/-
4.	देवस्थान विभाग द्वारा द्वारा प्रबंधित एवं नियंत्रित राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार एवं आत्म निर्भर श्रेणी के मंदिरों मे जिला बॉसवाडा में 2 वर्ष के लिये उत्सवों के आयोजन करवाये जाने हेतु पुजन एवं भोग सामग्री हेतु दर निविदा	30.00 लाख	60000/-	1500/-	500/-
5	देवस्थान विभाग द्वारा द्वारा प्रबंधित एवं नियंत्रित राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार एवं आत्म निर्भर श्रेणी के मंदिरों मे राज्य के बाहर स्थित 08 मंदिरो में 2 वर्ष के लिये उत्सवों के आयोजन करवाये जाने हेतु टेंट, विद्युत सजावट कार्य, भजना संध्या, फुल व बलुन सजावट कार्य एवं पुजन एवं भोग सामग्री हेतु दर संविदा।	10.00 लाख	20000/-	1000/-	500/-

विवरण	दिनांक व समय
बिड डॉक्यूमेन्ट डाउनलोड करने की की प्रारम्भ एवं जमा की अंतिम तिथि व समय तिथि	दिनांक 12.09.2025 समय प्रातः 10.00. बजे से दिनांक 23.09.2025 समय दोपहर 12.00 बजे तक
प्री बिड बैठक दिनांक व समय	दिनांक 17.09.2025 समय प्रातः 11.00 बजे
बिड डॉक्यूमेन्ट अपलोड करने की प्रारम्भ एवं जमा की अंतिम तिथि व समय	दिनांक 12.09.2025 समय प्रातः 10.00. बजे से दिनांक 23.09.2025 समय दोपहर 12.00 बजे तक
बिड सिक्योरिटी राशि, बिड फीस एवं प्रोसेसिंग शुल्क जमा कराने की अंतिम तिथि, समय एवं स्थान	दिनांक 23.09.2025 समय दोपहर 02.00 बजे तक कार्यालय आयुक्त देवस्थान विभाग राजस्थान ऋषभदेव
तकनीकी बिड खोलने की दिनांक	दिनांक 23.09.2025 समय दोपहर 03.00 बजे

नोट :-निविदा के दस्तावेजों का विस्तृत विवरण https://devasthan.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, ऋषभदेव

प्रदेश में अपराध नियंत्रण और शान्ति व्यवस्था हमारी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने की आर.पी.ए. में नया प्रशिक्षण भवन बनाने की घोषणा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पुलिस में प्रशिक्षण से कानून की जानकारी के साथ ही आपसी संवाद, सहयोग और टीम भावना मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि यही बुनियादी प्रशिक्षण पुलिस के चरित्र और व्यक्तित्व को आकार देकर उन्हें एक आदर्श अधिकारी बनाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराध नियंत्रण और शान्ति व्यवस्था बनाए रखना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। आगामी समय में इस व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। शर्मा शुक्रवार को राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर में राजस्थान पुलिस सेवा (प्रशिक्षु) के 55वें बैच के प्रशिक्षणार्थियों के दीक्षान्त परेड समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को आर.पी.एस. के 55वें बैच के दीक्षान्त समारोह में परेड का निरीक्षण किया और सलामी ली।

- प्रशिक्षु आर.पी.एस. के 55वें बैच का दीक्षांत समारोह आयोजित
- अपराध के बदलते स्वरूप में पुलिस रहे सजग एवं अपडेट : भजनलाल शर्मा

उन्होंने बैच के 76 प्रशिक्षुओं को बधाई देते हुए कहा कि मेहनत, लगन और कडी तपस्या से उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है। श्री शर्मा ने इस अवसर पर पुलिस कार्मिकों को बेहतर प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राजस्थान पुलिस अकादमी में नया प्रशिक्षण भवन बनाने की घोषणा की। इससे साइबर अपराध, आर्थिक मामलों से सम्बन्धित अपराध इत्यादि के सम्बन्ध में पुलिस को बेहतर प्रशिक्षण, तकनीकी संसाधन एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार के लिए महिला सशक्तिकरण सर्वोच्च प्राथमिकता है। राजस्थान पुलिस में महिलाओं की लगातार बढ़ती भागीदारी इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। उन्होंने कहा कि आज के 76 प्रशिक्षु अधिकारियों में 20 महिला अधिकारी शामिल होना अत्यंत गर्व की बात है। महिला पुलिस अधिकारी से महिलाएं अपनी समस्याएं बेझिझक बताती हैं। ये महिला अधिकारी न केवल पुलिस बल का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, बल्कि समाज की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत भी हैं।

शर्मा ने कहा कि वर्तमान में अपराध का स्वरूप लगातार बदल रहा है। संगठित अपराध, साइबर अपराध और डिजिटल युग की नई-नई चुनौतियों से लड़ने के लिए पुलिस को निरंतर सजग, अपडेट और प्रशिक्षित रहना होगा। उन्होंने कहा कि पुलिस के लिए पारंपरिक पुलिसिंग के साथ ही तकनीकी कुशलता, साइबर सिक्योरिटी की जानकारी और डिजिटल फॉरेंसिक की समझ भी महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस के लिए ईमानदारी सबसे शक्तिशाली हथियार है। पुलिस को किसी भी तरह के दबाव में ना आकर सदैव धैर्य और संयम से काम लेना चाहिए। उन्होंने पुलिस के लिए टीम वर्क पर जोर देते हुए कहा कि पुलिसिंग एक टीम का काम है। जब हम साथियों के साथ मिलकर काम करते हैं, तो हमारी शक्ति कई गुना बढ़ जाती है। आपसी भाईचारा और विश्वास से ही हम प्रत्येक चुनौती का आसानी से सामना कर सकते हैं।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में अपराध नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में अनेक ठोस कदम उठाए गए हैं। प्रदेश में अपराध का ग्राफ लगातार गिर रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 से अब तक अपराधों में 19.45 प्रतिशत की कमी आई है। अनुसूचित जाति अत्याचार में 17.80 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति अत्याचार के मामलों में 18.77 प्रतिशत की गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि महिला अत्याचार के मामलों में भी 9.24 प्रतिशत की कमी आई है।

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान पुलिस प्रदेश में कानून व्यवस्था को चाक-चौबंद रख न्याय व्यवस्था को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नवीन चुनौतियों का सामना करने के लिए निरंतर तकनीकी नवाचार, त्वरित अनुसंधान एवं कार्यकुशलता का उन्नयन किया जा रहा है। शर्मा ने इस अवसर पर राजस्थान पुलिस सेवा (प्रशिक्षु) के 55वें बैच के उत्कृष्ट प्रशिक्षणार्थियों को पुरुस्कृत किया तथा सामूहिक फोटो खिंचवाया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने दीक्षांत परेड का निरीक्षण किया तथा परेड की सलामी ली। इस दौरान गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, सांसद मंजू शर्मा, विधायक गोपाल शर्मा, मुख्य सचिव सुधांश पंत तथा निदेशक आरपीए एस. सेंगाथिर सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

देबाशीष पृष्टि ने किया हाऊसिंग बोर्ड के शिविर का निरीक्षण

प्रमुख शासन सचिव ने शहरी सेवा शिविर में आमजन से लिया फीडबैक

जयपुर (कासं)। नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव एवं आवासन मण्डल अध्यक्ष देबाशीष पृष्टि ने शहरी सेवा शिविर 2025 के तहत शुक्रवार को आवासन मण्डल के वृत-तृतीय, जयपुर कार्यालय में संचालित शिविर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को शिविर में आ रहे आमजन के लिए माकूल व्यवस्था करने के निर्देश दिए साथ ही आमजन के साथ संवाद करते हुए फीडबैक भी लिया। शिविर में आए हुए कई लाभार्थियों ने व्यवस्थाओं को सराहा तथा समस्याओं के तत्काल निस्तारण पर राज्य सरकार को धन्यवाद भी दिया। मण्डल अध्यक्ष द्वारा आवंटियों को त्वरित राहत प्रदान करने के विभिन्न कार्यों का एवं मण्डल द्वारा जारी किये जा रहे प्रपत्रों का अवलोकन भी किया गया। इस दौरान पृष्टि ने शिविर में लाभान्वित विभिन्न आवंटियों को अदेय प्रमाण पत्र, पंजीयन प्रपत्र इत्यादि वितरित किये गये।

आवासन एवं नगरीय विकास के प्रमुख शासन सचिव एवं आवासन मण्डल अध्यक्ष देबाशीष पृष्टि ने शुक्रवार को आवासन मण्डल के वृत-तृतीय, जयपुर कार्यालय में संचालित शिविर का निरीक्षण किया।

आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने बताया की मण्डल द्वारा आयोजित शिविरों में अब तक कुल 316 प्रकरणों का निस्तारण किया जा चुका है। शेष प्रकरणों का निस्तारण भी जल्द से जल्द करने के लिए कार्यवाही शुरू की जा चुकी है। राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा शिविरों में आवासीय योजनाओं, भवन निर्माण अनुमति, लीज़ कन्वर्ज़न, नामान्तरण, बकाया निस्तारण सहित अन्य सेवाओं से संबंधित समस्याओं का समाधान हाथों हाथ किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान सचिव गोपाल सिंह, मुख्य अभियंता प्रथम अमित अग्रवाल, प्रतीक श्रीवास्तव सहित अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

बिजली कंपनी के इंजीनियरों को नगरीय विकास विभाग में नियुक्ति देने पर हाईकोर्ट ने जवाब मांगा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने बिजली कंपनी के इंजीनियरों को नगरीय विकास विभाग में नियुक्ति देने पर हाईकोर्ट ने यूडीएच सचिव व पांच बिजली कंपनियों के एम.डी. और अफसरों से जबाव देने के लिए कहा है। अदालत ने इनसे पूछा है कि बिजली कंपनियों के इंजीनियरों को यूडीएच में नियुक्ति क्यों दी गई है। जस्टिस एसपी शर्मा व जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने यह निर्देश पब्लिक अंगेस्ट करप्शन संस्था की जनहित याचिका पर दिया। मामले से जुड़े अधिवक्ता पीसी भंडारी व टीएन शर्मा ने बताया कि प्रदेश की पांच बिजली कंपनियों ने जेईएन की भर्ती की थी। लेकिन बाद में इन इंजीनियरों को यूडीएच विभाग में भेज दिया। जबकि ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। वहीं ये नियुक्तियां राजस्थान सेवा नियम व आरएपीएसएआर एक्ट का उल्लंघन है। केवल सरप्लस होने पर ही एक निगम से दूसरे निगम में नियुक्ति का नियम है। लेकिन ऐसा कोई प्रावधान,नियम या एक्ट नहीं है जिसमें किसी निगम या बोर्ड से सीधे ही सरकार में नियुक्ति दी जा सके। वहीं नगरीय विकास विभाग में इनकी नियुक्ति में जिन नियमों का उल्लेख किया है उनके अनुसार इनको यूडीएच में समाहित नहीं कर सकते। ऐसे में ये नियुक्तियां पिछले दरवाजे से दी हैं और इनमें नियमों का पालन नहीं किया है। अदालत ने मामले में सुनवाई करते हुए संबंधित पक्षकारों से जवाब मांगा और राज्य सरकार से पूछा है कि इन अफसरों को किन नियमों से बिजली कंपनी से यूडीएच में समाहित किया गया है।

- मामले से जुड़े अधिवक्ता पीसी भंडारी व टीएन शर्मा ने बताया कि प्रदेश की 5 बिजली कंपनियों ने जे.ई.एन. की भर्ती की थी, परंतु बाद में इन इंजीनियरों को यूडीएच में भेज दिया गया। जबकि ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। ये नियुक्तियां राजस्थान सेवा नियम व आरएपीएसएआर एक्ट का उल्लंघन हैं।

टैक्स चोरी पर ट्रांसपोर्टर्स के 6 गोदाम सील, 17 वाहन जब्त

जयपुर। राज्य के मुख्य कर आयुक्त कुमार पाल गौतम के निर्देशन में प्रवर्तन शाखा की 9 टीमों को गोपनीय रूप से राज्य के विभिन्न राजमार्गों पर तैनात किया गया। जहाँ से टेक्निकल सर्विलांस के द्वारा बिना ई वे बिल और बिना वैध दस्तावेजों के माल परिवहनित करने वाले 17 वाहनो को जब्त किया गया है। गत सोमवार को जयपुर के 6 प्रमुख ट्रांसपोर्ट कंपनियो के गोदामों में एक साथ कार्यवाही कर बड़ी कर चोरी उजागर की है। गिल संधु ट्रांसपोर्ट, जडिया ट्रांसपोर्ट, क्रियाशक्ति, सुनील ट्रांसपोर्ट और पीसीएम कार्गो के ये गोदाम जयपुर के वी.के.आई एरिया तथा ट्रांसपोर्ट नगर में स्थित है। इन गोदामो से भारी मात्र में रेडीमेड, ड्राई फ्रूट, इलेक्ट्रिक्ट आईटम आदि के 1 हजार 960 नग जब्त किए है। जिनका आरंभिक आकलन किए जाने पर इनका बाज़ार मूल्य करोड़ो रूपये पाया गया है। यह माल राज्य के बाहर से बिना कर चुकाए राज्य में लाया जा रहा था।

राजेश्वर सिंह ने राज्य निर्वाचन आयुक्त का पदभार ग्रहण किया

जयपुर (कासं)। भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1989 बैच के सेवानिवृत्त अधिकारी एवं पूर्व राजस्व मण्डल अध्यक्ष राजेश्वर सिंह ने आज राज्य निर्वाचन आयुक्त का पदभार ग्रहण कर लिया है। सिंह के राज्य निर्वाचन आयोग पहुंचने पर आयोग की मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं सचिव नलिनी कठोतिया एवं अन्य अधिकारियों ने उनका पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

इस अवसर पर राजेश्वर सिंह ने कहा कि राज्य में पंचौयती राज संस्थाओं एवं नगरीय निकायों के चुनाव संवैधानिक एवं वैधानिक प्रावधानों एवम विभिन्न न्यायिक निर्णयों के अनुसरण में पूर्णतया वैधानिकता,निष्पक्षता, तटस्थता,त्रुटिहीनता एवं पारदर्शिता के आधार पर संपन्न कराया जाना सुनिश्चित किया जाएगा।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि समस्त जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उनके अधीनस्थ अधिकारी व कर्मचारी आयोग की मंशा के अनुरूप पूर्ण निष्पक्षता व तटस्थता का परिचय देंगे तथा वैधानिक प्रवधानों की पूर्ण पालना सुनिश्चित की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि राजेश्वर सिंह को जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, जालोर एवं जयपुर तथा संभागीय आयुक्त, उदयपुर, भरतपुर व जयपुर के रूप में चुनाव कार्य के प्रबन्धन व पर्यवेक्षण का विस्तृत एवं व्यापक अनुभव है। इसके अलावा वे अतिरिक्त मुख्य सचिव, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग तथा महा निदेशक,इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान के रूप में पंचायती राज प्रशासन एवं प्रशिक्षण से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े रहे हैं।

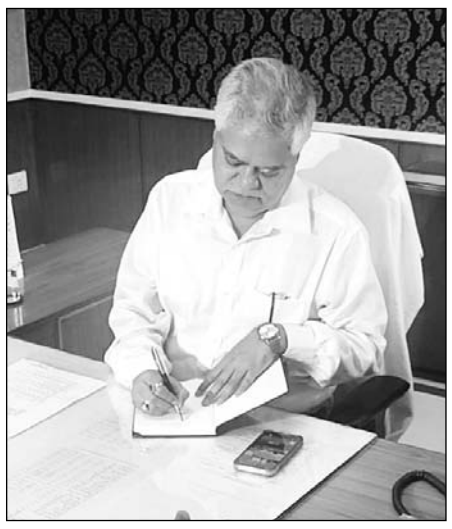

राज्य मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह

रिलायंस रिटेल मार्ट पर 100 किलो एक्सपायरी सामग्री जब्त

जयपुर। सीएमएचओ जयपुर द्वितीय की फूड सेफ्टी टीम ने प्रताप नगर स्थित मैसर्स रिलायंस रिटेल स्टोर से लगभग 100 किलो अवधिपार खाद्य सामग्री जब्त कर नष्ट करवाई है। यह कार्रवाई शुद्ध के लिए युद्ध अभियान में हुई।

पुलिस कमिश्नर के पास पहुंचे ग्रामीण तब दर्ज हुई भू-माफियाओं के खिलाफ एफ.आई.आर.

बस्सी क्षेत्र में भू-माफियाओं के आतंक और अवैध कब्जों की शिकायत लेकर पहुंचे थे लोग

जयपुर (कासं)। बस्सी क्षेत्र में भू-माफियाओं के बढ़ते आतंक और अवैध कब्जों से त्रस्त ग्रामीणों ने आखिरकार पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और न्याय की गुहार लगाई। इस पर तुरंत संज्ञान लेते हुए कमिश्नर ने एसीपी बस्सी को भू-माफियाओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए।

प्रभावित ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ दिनों से सक्रिय भूमाफिया गिरोह उनकी वैध रूप से खरीदी गई दुकानों और भूखंडों पर जबरन कब्जा कर रहा है। भू-माफियाओं ने बाउंड्रीवाल तोड़कर व पक्के निर्माण को ध्वस्त कर भूखंडधारियों को जान से मारने की धमकियां दी।

पीड़ित सतीश सोनी ने बताया कि आरोपी उनकी दुकानें तोड़कर मलबा तक ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में भरकर ले गए ताकि दुकान का सबूत भी मिटाया जा सके। वहीं, रामदयाल जोगी ने कहा कि वे 20 वर्षों से अपने मकान में रह रहे हैं, बिजली का कनेक्शन भी है, इसके बावजूद लगातार मकान खाली करने और जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि आरोपियों ने कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर गैरकानूनी कब्जे किए और दुकानों व भूखंडों को नुकसान पहुंचाया।

उल्लेखनीय है कि गोनेर रोड स्थित सिमरन वाटिका में वर्ष 2005 में भूमि विक्रय हुई थी। इसके बाद से लोगों ने मूल खातेदारों से भूखंड खरीदकर कॉलोनी विकसित की और निर्माण कार्य किया। पीड़ितों का कहना है कि इस कॉलोनी में 20 से अधिक लोगों ने भूखंड और दुकानें खरीदी हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि पुलिस दोषियों की गिरफ्तारी कर उचित कार्रवाई नहीं करती तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे।

पुलिस कमिश्नर के हस्तक्षेप के बाद ग्रामीणों की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई। इसमें रामबाबू शर्मा, कमल कुमार शर्मा, मुकेश मीना और बाबूलाल मीना समेत कई लोगों पर कूटरचित दस्तावेज तैयार कर जमीन हड़पने और मारपीट कर डराने-धमकाने का आरोप है। पूर्व में एफआईआर दर्ज नहीं करने पर पीड़ित ने एसीपी विनय डी.एच. से भी शिकायत की थी। इसके बाद एसीपी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और भू-माफियाओं की अवैध गतिविधियों को तुरंत रोकने के निर्देश दिए थे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पूर्व विधायक प्रत्याशी चन्द्रमोहन मीना ने भी पीड़ितों से फोन पर बात कर हर संभव मदद और न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। वहीं, वरिष्ठ अधिवक्ता अमरीश शर्मा ने बताया कि पीड़ितों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों को कोर्ट में पेश कर दावा किया जाएगा। उन्होंने भू-माफियाओं द्वारा अवैध कब्जों को गलत ठहराते हुए पीड़ितों को हरसंभव न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया।

बस्सी क्षेत्र में भू-माफियाओं की शिकायत लेकर स्थानीय ग्रामीण पुलिस के पास पहुंचे।

परकोटे में दो जर्जर भवन ध्वस्त, दो बिल्डिंग सीज

सुभाष चौक में पुन: जर्जर इमारत गिरने के बाद हैरिटेज निगम की सख्ती

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। सुभाष चौक इलाके में पुन: जर्जर इमारत गिरने के बाद हैरिटेज निगम प्रशासन हरकत में आया है। शुक्रवार को किशनपोल जोन ने परकोटे में दो भवनों के जर्जर हिस्से को ध्वस्त कर दिया, वहीं दो अन्य भवन को खाली करवाकर सीज किया है।

किशनपोल जोन उपायुक्त दिलीप भंभानी ने बताया कि जोन कार्यालय की ओर से जर्जर भवनों के निरीक्षण के लिए बनी कमेटी को 14 जर्जर भवनों की रिपोर्ट रैफर की गई थी, जिनमें 7 को पिछले सप्ताह ध्वस्त किया था, शुक्रवार को दो और भवन के जर्जर हिस्से को इंजीनियरिंग विंग की मदद से ध्वस्त कर दिया। इस दौरान सतर्कता शाखा की टीम भी मौजूद रहे। लोहा मंडी नाटाणी के रास्ते में एक अन्य जर्जर भवन के नीचे संचालित गोदामों को अस्थाई रूप से सीज गोदाम संचालक को मरम्मत कराने के लिए पाबंद किया है।

वहीं, हवामहल आमेर जोन उपायुक्त सीमा चौधरी ने आमेर इलाके में 11 जर्जर भवन का निरीक्षण किया और संभावित खतरे को देखते हुए मकान में रहने वाले लोगों को तुरंत मकान खाली कर मरम्मत कराने के लिए निर्देश दिए। वहीं जर्जर भवन को सीज किया। इस दौरान जोन उपायुक्त ने भवन मालिक से शपथ पत्र लेकर भवन के जर्जर हिस्से को तुरंत ध्वस्त करने या मरम्मत करने के निर्देश दिए।

इसके अलावा हैरिटेज निगम की सर्तकता विंग ने बीते दो दिनों में परकोटे में आम रास्ते और बरामदों से अवैध अतिक्रमण हटाकर 21 ट्रक सामान जब्त किया है। साथ ही 18 हजार रुपए का चालान भी काटा गया। सतर्कता उपायुक्त पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि परकोटे में अस्थाई अतिक्रमण की शिकायतें लगातार मिल रही थी। ऐसे में सतर्कता शाखा को निर्देश देकर सड़क और बरामदे पर किए जा रहे अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जिसमें पुलिस निरीक्षक श्रीमोहन मीणा में नेतृत्व में विशेष टीम गठन पर राजस्व निरीक्षक जगदीश सरधना ने अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की।

इस दौरान गलियों में भी अतिक्रमण कर रहे थडी ठेलो को जब्त किया गया। दो दिन में कुल 21 ट्रक सामान जब्त किया है, साथ ही 13 हजार रुपए परिवहन शुल्क लिया।

- सतर्कता विंग ने चारदीवारी के बरामदों और सड़कों से अवैध अतिक्रमण हटाकर 21 ट्रक सामान जब्त किया

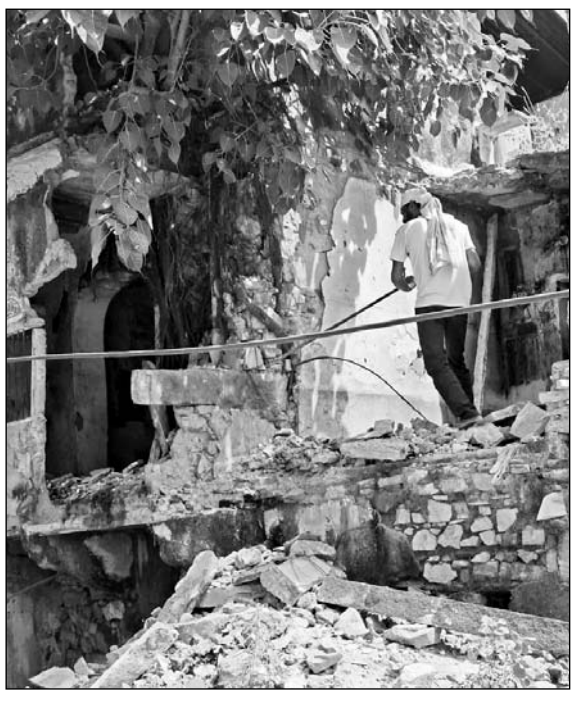

हैरिटेज नगर निगम के किशनपोल जोन की टीम ने इलाके में जर्जर इमारतों को शुक्रवार को ध्वस्त किया।

पुत्र से जुड़े मामले में उडीसा के पूर्व डीजी विद्याभूषण मोहंती दोष मुक्त

जयपुर (कासं)। सेन्ट्रल जेल जयपुर में सजायाफ्ता पुत्र को 18 साल पहले 20 नवम्बर, 2006 को पैरोल पर छुडाने के बाद फरार कराने तथा पकड़ने गई वैशाली नगर-जयपुर पुलिस की कार्रवाई में बाधा पहुंचाने के मामले में अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, क्रम संख्या-04, मेट्रो-द्वितीय ने आरोपी रहे उडीसा के पूर्व महा निदेशक होमगार्ड 75 वर्षीय विद्याभूषण मोहंती को दोषमुक्त कर दिया है। इस संबंध में तत्कालीन कार्यवाहक जेल अधीक्षक सुमन मालीवाल ने लाल कोठी पुलिस थाने में 10 जनवरी, 2007 को एफआईआर दर्ज करवाई थी। अनुसंधान पुलिस ने पूर्व आईपीएस विद्याभूषण मोहंती के खिलाफ अदालत ने 23 जनवरी, 2008 को चार्जशीट पेश की थी। विद्या भूषण मोहंती की ओर से अदालत को बताया कि वह निर्दोष हैं। मामले में झूठा फंसाया गया हैं। पुत्र के पकडे जाने, गिरफ्तार करने में कोई अडचन व बाधा नहीं डाली और ना ही आश्रय दिया। बचाव पक्ष की ओर से यह भी कहा गया कि परिवादिया जेल अधीक्षक की ओर से पेश की रिपोर्ट की अन्य गवाहों ने ताईद नहीं की हैं। पुत्र को पैरोल पर छुडाकर फरार कराने के गलत आरोप लगाए हैं। अभियोजन पक्ष मामले में संलिप्त होने की लेशमात्र भी साक्ष्य पेश नहीं की हैं। ऐसे में दोषमुक्त घोषित किया जाए। गौरतलब है कि पूर्व डीजी होमगार्ड विद्याभूषण मोहंती के पुत्र को बीटीहोत्रा मोहंती को 2004 में अलवर में हुए दुष्कर्म के अपराध में 07 साल की सजा हुई थी और जयपुर जेल में बंद था।

2 क्विंटल डोडा-चूरा तस्करी में लिप्त दंपत्ति व बेटा गिरफ्तार

जयपुर। आतंकवाद निरोधक दस्ता राजस्थान जयपुर (एटीएस) टीम ने कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ की सप्लाई का काम करने वाले इनामी शातिर तस्कर को उसकी पत्नी और बेटे सहित गिरफ्तार किया है। जिस के चलते इन पर पुलिस अधीक्षक झुंझुनूं की ओर से आरोपित पर बीस हजार का इनाम रखा हुआ था। एटीएस की टीम ने दो माह तक इन पर नजर रखी जिस के बाद इनकी गिरफ्तारी की। एटीएस पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) विकास कुमार ने बताया कि एटीएम टीम ने सीकर जिले से वर्ष 2024 में करीब 2 क्विंटल डोडा चूरा के तस्करी के मामले में फरार शेखावाट कॉलोनी चूरू निवासी आरिफ हुसैन,उसकी पत्नी शहनाज बानो सहित बेटे जाबिद को एटीएस की टीम ने झुंझुनू जिले के बिसाऊ पुलिस थाना के पास से पकड़ा है। गिरफ्तार इनामी तस्कर आरिफ हुसैन अपने बेटे जाबिद के नाम से रजिस्टर्ड ट्रक (कंटेनर) से मादक पदार्थ डोडा चूरा की तस्करी में लिप्त होने पर फरार चल रहा था। आरीफ हुसैन कम पढा लिखा होने के कारण अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए कम समय में ज्यादा से ज्यादा पैसा कमाना चाहता था। मादक पदार्थों की तस्करी की काली कमाई से अपनी पत्नी शहनाज बानो के नाम से इनोवा गाड़ी व बेटे जाबिद के नाम से ट्रक (कंटेनर) खरीदे। मादक पदार्थ तस्करी में फरार आरिफ हुसैन की पत्नी शहनाज बानो व बेटा जाबिद भी फरार चल रहे थे। इनामी आरिफ हुसैन अपनी पत्नी और बेटे के साथ सीकर में किराए का मकान लेकर मजदूरी करने की जानकारी पुलिस टीम को मिली। पिछले दो महीने से एटीएस की टीम सीकर में आरीफ के किराए के घर की पहचान करने के लिए जुटी हुई थी।

कार्यालय नगर परिषद राजसमन्द, जिला राजसमन्द

क्रमांक:न.प.रा./भू.रूपा./2025/496-97 दिनांक: 19/09/2025

आपत्ति सूचना पत्र

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि खातेदार श्री गोविन्दराम पिता श्री बद्रीलाल गुर्डा निवासी मकान सं.0, कॉलोनी, कुम्हारों का बास पिचियाक, क्षैत्र/स्थान-कुम्हारों का बास पिचियाक, तहसील बिलाड़ा जिला जोधपुर द्वारा राजस्व ग्राम पसून्द आराजी संख्या 1000/8 रकबा 0.1862 हैक्टेयर, आराजी संख्या 1943/1000 रकबा 0.0688 हैक्टेयर भूमि का फार्म हाऊस प्रयोजनार्थ भूमि जो की प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगर परिषद राजसमन्द के निर्णय क्रमांक 418-21 दिनांक 26.08.2025 द्वारा 90-क के तहत बिलानाम न.प.रा.दर्ज की स्वीकृति हो चुकी है, जिसमे निम्न आवेदको द्वारा फार्म हाऊय प्रयोजनार्थ नियमन/ आवंटन कराने हेतु आवंटन शपथ पत्र के आधार पर आवेदन प्रस्तुत किया है।

क्र.स.	नाम आवंटी का	भू. सं.	वर्गमीटर
01	श्री ब्रजराज सिंह चारण पिता श्री सांवल सिंह चारण निवासी पसून्द तहसील व जिला राजसमन्द।	-	2420.16

अत: इस संबंध में किसी हितकारी को कोई आपत्ति हो तो आपत्ति सूचना जारी तिथि के 7 दिवस में लिखित में मय सबूत दस्तावेज के परिषद में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद मयाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

आयुक्त
नगर परिषद, राजसमन्द

प्रारूप-10 (नियम-6(7) देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगर पालिका नाथद्वारा जिला-राजसमन्द

सं. 11114

लोक-सूचना

दिनांक: 04/09/2025

श्री गणेश लाल कुम्हार एवं श्री दयाशंकर कुम्हार पिता श्री मोडीराम कुम्हार निवासी उपली ओडन, नाथद्वारा जिला-राजसमन्द (राज.) इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

क्र.स.	तहसील का नाम जिले सहित	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्रफल
1	नाथद्वारा जिला-राजसमन्द	उपली ओडन	2069,2072	रकबा 0.0885 हैक्टेयर में से,0.0359 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिन के भीतर-भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 04/09/25 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त, नगर पालिका नाथद्वारा

कार्यालय नगर पालिका नाथद्वारा जिला- राजसमन्द (राज.)

क्रमांक/न.पा.ना./69 क/ 2025/11797 दिनांक : 16/09/2025

-:आपत्ती सूचना:-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुदा/पट्टा शुदा के आधार पर प्राप्त भूखण्ड/ भवन का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर 69 ए का फ्री होल्ड पट्टे का आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो सात दिवस (कार्य दिवस) में नगर पालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पााये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	आवेदित सम्पत्ति का पता एवं माप	पडौस			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1	श्रीमती सविता जोशी/ श्री सुरेश कुमार पालीवाल	मोहनगढ़, शीतला माता मंदिर, नाथद्वारा भूखण्ड क्षै. 635 वर्ग फीट	गली व भानुकान्ता जोशी का मकान	रास्ता व मीना सोनी का मकान	रणछोड धोबी का मकान	आम रास्ता

आयुक्त, नगर पालिका नाथद्वारा

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी (अधिशाषी अधिकारी) नगर पालिका मण्डल, बडीसादड़ी जिला चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक/न.पा.ब./भू.रू./2025-26/ दिनांक :

लोक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि के निम्न खातेदारों द्वारा गैर कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वाचन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

नाम आवेदन खातेदार	राजस्व ग्राम का नाम	खसरा नम्बर	क्षेत्र
श्री वर्धमान छाजेड पिता इन्द्रमल छाजेड निवासी बड़ीसादड़ी	बड़ीसादड़ी	2646/651	0.08 हेक्टयर में से 3000 वर्गफिट (आवासीय प्रयोजनार्थ।

इसके लिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनार्थ के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा है तो इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन जारी की गई।

(प्राधिकृत अधिकारी)
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका, बड़ीसादड़ी

कार्यालय उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर (राज.)

क्रमांक: F.11 ( )/ Regin-II/2025/1246 दिनांक : 18/09/2025

आम-सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदको द्वारा प्रस्तुत आवेदन के क्रम में राजस्व ग्राम सुन्दरवास के खसरा नम्बर 522/42 के अनुमोदित योजना प्लान में स्थित भूखण्ड निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	आवेदक का नाम	भूखण्ड संख्या	क्षेत्रफल (वर्गफिट में)
1	श्रीमती उर्मिला जोशी पत्नी श्री कमलेश जी जोशी, निवासी- मोडियो की खीडक, नाथद्वारा, राजसमन्द (राज.)	5	1485.00
2	श्री रोशन लाल जोशी पिता श्री किशनलाल जोशी, निवासी -बोहरा गणेश जी मन्दिर के पीछे, उदयपुर (राज.)	6	3217.50
3	श्री रोशन लाल जोशी पिता श्री किशनलाल जोशी, निवासी -बोहरा गणेश जी मन्दिर के पीछे, उदयपुर (राज.)	7	1237.50

अत: उपरोक्तानुसार उक्त तीनों के आवेदकों के पक्ष में किये जाने के संबंध में यदि किसी संस्था/व्यक्ति/फर्म इत्यादि को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 10 दिवस की अवधि में इस कार्यालय को प्रस्तुत करावें, अन्यथा इस अवधि उपरान्त पट्टा विलेख आवेदक के पक्ष में जारी किया जावेगा।

(जितेन्द्र ओझा) उपायुक्त
उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर

राजस्थान सरकार

कार्यालय सदस्य सचिव, राज.मेडिकेयर रिलिफ सोसायटी शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, भुवाणा, उदयपुर (राज.)

क्रमांक/लेखा/ खुली निविदा/2025-26/155 दिनांक:-19.09.2025

खुली निविदा सूचना

शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, भुवाणा के अन्तर्गत खुली निविदा क्रमांक/लेखा/खुली निविदा/2025-26/150 दिनांक 19/09/2025 को वित्तिय वर्ष 2025-26 में विभिन्न कार्यो हेतु खुली निविदा आंमत्रित कि जाती है।

निविदा सुचना www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है एवं निविदा प्रपत्र उक्त पोर्टल से डाउनलोड भी किये जा सकते है। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त/स्थगित करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरकर्ता का होगा।

NIB Code MHS2526A2842
UBN NO. 1.MHS2526SSOBO4116 2.MHS2526SSOBO4117 3.MHS2526GSRCO4119 4.MHS2526WSOBO4120

चिकित्सा प्रभारी अधिकारी
शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र
भुवाणा, उदयपुर (राज.)

ग्रामीण सेवा शिविर का गादोला एवं बरड़ा में हुआ सफल आयोजन

निम्बाहेड़ा। राजस्थान सरकार के यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में 17 सितंबर से आरम्भ हुए ग्रामीण सेवा शिविर-2025 के अंतर्गत शुक्रवार को निम्बाहेड़ा उपखण्ड की ग्राम पंचायत गादोला एवं बरड़ा के राजीव गांधी सेवा केन्द्र पर पूर्व यूडीएच मंत्री एवं विधायक श्रीचंद कृपलानी के मुख्य आतिथ्य तथा शिविर प्रभारी एवं उपखण्ड अधिकारी विकास पंचोली की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। शिविर में उपखंड क्षेत्र के समस्त विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने-अपने विभागों के द्वारा संचालित की जा रही जनकल्याणकारी योजनाओ के प्रचार प्रसार के लिए बेनर पोस्टर लगाकर पात्र आमजन को अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ प्राप्त हो इस हेतु इन्हें अवगत कराया तथा कुछ लाभार्थियों को योजनाओ से लाभान्वित किया।

शिविर में बडी संख्या में ग्रामवासी एवं क्षेत्र के जनप्रतिनिधिगण पूर्वी मंडल अध्यक्ष एवं पूर्व उपप्रधान अशोक जाट, पश्चिम ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह शक्तावत, कनेरा मण्डल अध्यक्ष जुगलकिशोर धाकड़ आदि मंचासीन रहे। शिविर स्थल पर सहायक शिविर प्रभारी एवं तहसीलदार जरवार द्वारा उपस्थित कृषको को किसान गिरदावरी ऐप डाउनलोड करवा कर क्षेत्र के किसानों को गिरदावरी करने का प्रशिक्षण भी दिया गया। सहायक शिविर प्रभारी एवं पंचायत समिति विकास अधिकारी लक्ष्मण लाल खटीक ने बताया कि ग्राम पंचायत गादोला शिविर के दौरान ग्रामवासियो को स्वामित्व योजना की जानकारी दी गई एवं प्रार्थी गोपाललाल पिता औंकारलाल धाकड निवासी गादोला ने उपस्थित होकर बताया कि परिवार के सदस्यों द्वारा पूर्व में उन्होंने मकान का पट्टा नही बनवाया है तथा इनको पट्टे एवं उससे सम्बन्धित स्वामित्व दस्तावेजो की आवश्यकता है, जिस पर ग्राम पंचायत द्वारा प्रार्थी को उनके आवासीय मकान का पट्टा व उसका डिजिटल स्वामित्व पार्सल विधायक श्रीचन्द कृपलानी के द्वारा प्रदान किया गया। इस तत्वरित कार्यवाही से लाभार्थी एवं उसके परिजनों ने खुशी व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं विधायक श्रीचंद कृपलानी के प्रति आभार व्यक्त किया।

■ राजस्थान सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया, जिसमें 10 प्रकरण आपसी सहमति से विभाजन के निस्तारित, कुल लम्बित प्रकरणो में से नामान्तरण के 94 प्रकरणो का निस्तारण किया गया

ग्राम पंचायत बरडा व गादोला में विधायक श्रीचंद कृपलानी, शिविर प्रभारी एवं उपखण्ड अधिकारी विकास पंचोली, पूर्वी मण्डल अध्यक्ष अशोक जाट, कनेरा मण्डल अध्यक्ष जुगलकिशोर धाकड़ आदि के द्वारा राजस्थान सरकार की विभिन्न लाभकारी योजनाओं से लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया, जिसमें 10 प्रकरण आपसी सहमति से विभाजन के निस्तारित, कुल लम्बित प्रकरणो में से नामान्तरण के 94 प्रकरणो का निस्तारण किया गया। इसी प्रकार शिविर में उपस्थित समस्त ग्रामवासियों एवं उनके परिवादो का सभी विभागों के अधिकारी एवं कार्मिको के द्वारा निस्तारित किया जाकर आमजन को सन्तुष्ट किया गया। शिविर प्रभारी एवं एसडीएम विकास पंचौली ने बताया कि आगामी शिविर 20 सितम्बर, 2025 को ग्राम पंचायत टाई एवं उँखलिया के राजीव गांधी सेवा केन्द्र पर आयोजित होंगे, जिसमें अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों को राज्य सरकार की विभिन्न लाभकारी योजनाओं से लाभान्वित हो सके। उन्होंने क्षेत्रवासियों को अधिक से अधिक शिविर में उपस्थित होने हेतु आग्रह किया।

शिविर में मण्डल महामंत्री राजेश धाकड़, उपाध्यक्ष पप्पूलाल गुर्जर, प्रशासक शांतिदेवी रैगर, पंचायत समिति सदस्य हीरालाल जटिया, सोहन जाट, मोहन जाट, नारायण लाल माली, जमनालाल माली, रेखा वैष्णव, डामड गायरी, सुनील कुमावत, चतरा मीणा, चांदमल मीणा, चौथमल मीणा, बंसीलाल मीणा, मुकुंद सुथार, कालू सालवी, बंसीलाल मालवीय, राधेश्याम मालवीय, देवीलाल मीणा, राम प्रसाद, हिरा मेघवाल, मोहन मीणा, किशोर सालवी, युवा मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष रवि जाट, राजेश वैष्णव, जमना लाल माली, शोभालाल नायक आदि सहित बडी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

इफको द्वारा आयोजित सहकारी समिति प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रतापगढ़(निसं)। इफको प्रतापगढ़ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सहकार वर्ष एवं नैनो उर्वरक उपयोग महाअभियान कृषि विज्ञान केंद्र प्रतापगढ़ के सभागार में सहकारी व्यवस्थापक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सुधीर जी राज्य विपणन प्रबंधक इफको जयपुर के मुख्य अतिथित्व में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता भगवती सिंह सिसोदिया प्रतापगढ़ क्रय विक्रय सहकारी समिति अध्यक्ष द्वारा की गई कार्यक्रम में किशन लाल मीणा,उप रजिस्ट्रार सहकारी समिति प्रतापगढ़, डॉ बी. एल रोत वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं केवीके प्रभारी प्रतापगढ़ उपस्थित रहे। सुधीर जी राज्य विपणन प्रबंधक इफको जयपुर ने अन्तरराष्ट्रीय उर्वरक स्थिति,राज्य में इफको यूरिया डी ए पी की आपूर्ति के बारे में विस्तार से बताते हुए दानेदार यूरिया डीएपी की जगह नैनो यूरिया एवं नैनो डी ए पी के प्रयोग को बढ़ाने का आठाह किया। नैनो उर्वरकों के प्रयोग से फसलों की बढ़ावार संतुलित रहती है जिससे फसलों पर बीमारियां एवं कीटों का प्रकोप कम होता है जिससे दवाओं का प्रयोग कम करना पड़ता है और लागत कम होती है। मिट्टी स्वास्थ्य एवं पानी की गुणवत्ता में सुधार होता है । साथ ही आपने नैनो उर्वरकों की खरीद पर प्रति बोतल रु 10,000.00 का दुर्घटना बीमा योजना के बारे में भी जानकारी दी।

राष्ट्रीय स्तर पर संस्थान को दिलाया गौरव

उदयपुर(निसं)। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के आईवीएफ सेंटर की साइन्टिफिक डॉयरेक्टर डॉ.मनीषा वाजपेयी ने हाल ही में इंदौर में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ असिस्टेड रिप्रोडक्शन (आईएसएआर) के राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन में 'माइक्रोबायोम मैटर्स: क्या हम गर्भाशय के वातावरण को नियंत्रित कर सकते हैं' विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत कर संस्थान का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया। आईएसएआर भारत में प्रजनन चिकित्सा (फर्टीलिटी मेडिसिन) से जुड़े चिकित्सकों की सबसे बड़ी संस्था है। यह विषय प्रजनन चिकित्सा का एक अत्याधुनिक व उभरता हुआ क्षेत्र है,जो गर्भस्थापन (इम्प्लांटेशन) की संभावनाओं को बेहतर बनाने की दिशा में क्रांतिकारी भूमिका निभा सकता है। उनके प्रस्तुतीकरण को देशभर से आए विशेषज्ञों ने सराहा।

इस दौरान डॉ.मनीषा वाजपेयी ने दो अत्यंत महत्वपूर्ण पैनल चर्चाओं का संचालन किया जिनमें देश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ शामिल हुए। इन सत्रों के दौरान उन्नत तकनीकी नवाचारों और आईवीएफ चिकित्सा से जुड़ी नैतिक चुनौतियों पर गहन विमर्श हुआ, जो प्रजनन चिकित्सा के भविष्य को आकार देंगे। सम्मेलन के दौरान डॉ.वाजपेयी ने बतौर निर्वाचित सदस्य आईएसएआर की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में भाग लिया। डॉ.मनीषा का यह शैक्षिणक योगदान और राष्ट्रीय मंच पर उनकी सक्रिय भागीदारी संस्था के उत्कृष्टता के प्रति समर्पण और नेतृत्व क्षमता को दर्शाती है।

श्रेष्ठ परिणाम का हुआ सम्मान

देवगढ़। पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय देवगढ़ के प्राचार्य श्री विजयेन्द्र नागदा ने बताया कि सत्र 2024-25 में स्थानीय विद्यालय कि छात्रा कुमारी पदम श्री को सीबीएसई कक्षा 10 वीं में 95.2 प्रतिशत अंक लाकर सीबीएसई के सर्वोच्च 1.5 प्रतिशत छात्र / छात्राओं में आने पर केंद्रीय विद्यालय संगठन कि तरफ से 5000 रुपये का नकद इनाम देकर सम्मानित किया गया। कुमारी पदम् श्री ने बताया कि इस सर्वश्रेष्ठ परिणाम के वास्तविक हक़दार अभिभावकों का सहयोग एव पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय देवगढ़ के शानदार शैक्षाणिक वातावरण कि वजह से संभव हो पाया हैं।विद्यालय प्राचार्य के निर्देशन में सभी शिक्षको ने निरंतर प्रेरित किया एवं मेरी कमियों को दूर करने में हरसंभव प्रयास के कारण ही मुझे इस स्तर कि सफलता मिल पाई पुरस्कार पाकर पदमश्री एवं उसके अभिभावक रिश्तेदार अत्यंत प्रसन्न एवं गौरवान्वित महसूस कर रहे है।

बस की टक्कर से टीनसेड टूटा, एक दूसरे के खिलाफ मुकदमे दर्ज

कानोड़(निसं) । नगर के बस स्टैंड पर शुक्रवार प्रात: उस समय अफ़रा-तफ़री का माहौल हो गया, जब स्कूल की बस बच्चों को लेकर स्कूल जा रही थी, उस समय दुकान के बाहर लगे टीनसेड से बस का एक हिस्सा टकरा गया जिससे टीनसेड नीचे गिर गया ।

व्यापारी ने आक्रोश में आकर चालक के साथ हाथापाई कर दी, इसकी सूचना स्कूल के अन्य वाहन चालकों को मिलते ही मौके पर अन्य चालक भी पहुंच गए और व्यापारी से जमकर कहासुनी हुई जिसके बाद मामला हाथापाई तक पहुंच गया लोगों ने बीच बचाव कर मामले को शांत किया और जानकारी थाना पुलिस को दी गई पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षो की रिपोर्ट लेते हुए एक दूसरे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया । इस घटनाक्रम के दौरान मौके पर काफी संख्या में लोग जमा हुए वहीं बस में सवार स्कूली बच्चे भी डरे सहमे नजर आए ।

■ इस घटनाक्रम के दौरान मौके पर काफी संख्या में लोग जमा हुए वहीं बस में सवार स्कुली बच्चे भी डरे सहमे नजर आए

लोगों ने लापरवाही पूर्वक स्कूली बसों का संचालन कर रहे ,चालकों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है ।

पुलिस सहायता कक्ष पर जवान तैनादगी की मांग: नगर का सबसे व्यस्ततम बस स्टैंड जहां वर्षों से पुलिस सहायता कक्ष स्थापित है, लेकिन यहां पुलिस के जवान कभी-कभार ही फटकते हैं, पुलिस थाना नगर से दूर होना आमजन के लिए परेशानी बना है, नगर में के चौराहे पर आए दिन घटनाएं होती रहती है पुलिस पहुंचती तब तक अपराधी वारदात को कारित करके निकल चुका होता है , ऐसे में स्थानीय लोगों ने मांग की है, कि पुलिस का सहायता कक्ष पर स्थाई जवान की तैनादगी की जाए जिससे अपराधियों में पुलिस का डर बना रहे, वही आमजन में विश्वास कायम हो सकें।

डॉ. मीनल शर्मा को पीएचडी की उपाधि मिली

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी ने डॉ. मीनल शर्मा को पीएचडी की उपाधि दी। डॉ. मीनल ने अपना शोध शारीरिक प्रशिक्षण का उदयपुर ज़िले के विद्यालय स्तरीय बैडमिंटन खिलाड़ियों पर प्रभाव विषय पर डॉ. भीमराज पटेल, सहायक निदेशक, शारीरिक शिक्षा एवं सचिव, विश्वविद्यालय क्रीड़ा मंडल, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के मार्गदर्शन में किया। मीनल शर्मा ने उदयपुर के विद्यालय स्तर के 14, 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग के छात्र-छात्राओं पर यह शोध किया जिसमें छात्र-छात्राओं को दो माह बैडमिंटन की तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान बच्चों में, विशेषत: बालिकाओं में, उल्लेखनीय प्रगति दिखाई दी।

सेवा पर्व पखवाड़े से आमजन हो रहे लाभान्वित

प्रतापगढ़। राजस्थान सरकार द्वारा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में ग्रामीण सेवा शिविर 2025 आमजन के लिए जीवन बदलने वाली पहल साबित हो रहे हैं। शिविरों के माध्यम से ठाामीणों की समस्याओं का न केवल मौके पर समाधान हो रहा है बल्कि जरूरतमंदों को राहत भी मिल रही है। इसी क्रम में प्रतापगढ की ग्राम पंचायत कूणी और मगरोडा एवं दलोट तहसील की ग्राम पंचायत भचुंडला में आयोजित शिविर में ग्रामीणों की जिंदगी में नई रोशनी आई। 85 वर्षीय बलवंत सिंह अब सही से सुन पायेंगे: ग्राम पंचायत कूणी गांव सेलारपुरा निवासी 85 वर्षीय बलवंत सिंह चुंडावत वृद्धावस्था के कारण सुनने की समस्या से जूझ रहे थे। शिविर में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा उन्हें कान की मशीन (भ्मंतपदह ।पक) उपलब्ध कराई गई। मशीन मिलने के बाद वे अब दैनिक कार्यों को आसानी से कर पा रहे हैं और प्रसन्नता के साथ उन्होंने राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।जीवा को भी मिली हियरिंग एड: इसी प्रकार दलोट के भाचुंडला के गांव पिपरोली निवासी जीवा भी वर्षों से सुनने में कठिनाई का सामना कर रहे थे। परिवार और समाज से संवाद में असमर्थ होने के कारण वे आत्मविश्वास खो बैठे थे। ग्रामीण सेवा शिविर में उनकी जांच की गई और उन्हें भी सुनने की मशीन प्रदान की गई। मशीन मिलने के बाद उनका आत्मविश्वास लौटा और अब वे परिवार व अन्य के साथ सहजता से संवाद कर पा रहे हैं।

आम सुचना

भागीदारी फर्म मैसर्स बाटलीवाला एण्ड सन्स उदयपुर (राज.)

रजि.न.RF/UDP/2018/1261

इस भागीदारी फर्म की शुरूवात में दो भागीदार थे आरिफ बाटलीवाला एवं आफताब बाटलीवाला है 01/04/2025 को इस भागीदारी फर्म में दो भागीदार और जोड़े गये जिनका नाम आमीर हुसैन बाटलीवाला एवं अब्बास अली बाटलीवाला है। जिसके बाद इस भागीदारी फर्म में कुल चार भागीदार हो गये थे। जिसमें से 01/04/2025 को इस भागीदारी फर्म में से एक भागीदार आफताब बाटलीवाला स्वयं अपनी इच्छा से रिटायर्ड हो गये है। भागीदारी फर्म का मुख्य व्यवसायिक स्थान 17/150, कृषि उपज मण्डी के सामने, उदयपुर (राज.) है। इस पर किसी व्यक्ति विशेष, फर्म व अन्य किसी को, किसी प्रकार की आपत्ति हो तो सात दिवस के भीतर रजिस्ट्रार ऑफ फर्मस, जिला उद्योग केन्द्र उदयपुर राजस्थान में आकर सूचित करें।

स्थान: उदयपुर
दिनांक: 19/9/25
मैसर्स बाटलीवाला एण्ड सन्स

ARUN RATNAWAT & ASSOCIATES
Chartered Accountants
Tel:0294-2980895 (O)
Mob.9829044895, 9829714697
Email : ratnawat1@yahoo.com
arun ratnawat@gmail.com

निःशुल्क चिकित्सा सहायता शिविर

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान मानद विश्वविद्यालय जयपुर द्वारा राजस्थान के प्रतापगढ जिले की छोटीसादड़ी तहसील के ठाामीण क्षेत्रों में अनुसूचित जनजाति के बाहुल्य क्षेत्रों के व्यक्तियों को नि:शुल्क चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने की दृष्टि से 7 अक्टूबर से नि:शुल्क एसटी आयुर्वेद चल चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जायेगा। संस्थान के उपनिदेशक ने बताया कि जिले की छोटीसादड़ी तहसील के अन्तर्गत 7 अक्टूबर को नवनखेरी, 8 अक्टूबर को डावटा, 9 अक्टूबर को गजपुरा व 10 अक्टूबर को सकरिया में शिविर का आयोजन किया जायेगा।

मैं सचिन के लिए बहुत खुश हूं जिसने अपना पर्सनल बेस्ट फेंका और लगभग भारत के लिए मेडल जीत ही लिया।
- नीरज चोपड़ा

भारतीय जैवलिन थ्रोअर, अपनी हार के बाद बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

आर. अश्विन

चीन ने गुरुवार को घोषणा की कि दिग्गज भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन आगामी हांगकांग सिक्सेस 2025 के लिए टीम इंडिया के एक प्रमुख सदस्य होंगे, जो इस साल 7 से 9 नवंबर तक आयोजित होने वाला है। आर. अश्विन ने कहा, "हम सभी ने बचपन में टेलीविजन पर हांगकांग सिक्सेस देखा है और यह हमेशा से एक ऐसा प्रारूप रहा है जिसका मैं हिस्सा बनना चाहता था। इस प्रारूप के लिए एक अलग रणनीति की आवश्यकता होती है और यह एक रोमांचक खेल साबित होगा, जिसे मैं अपने पूर्व साथियों के साथ खेलने के लिए उत्सुक हूँ।

क्या आप जानते हैं ?... टीम इंडिया एशिया कप की सबसे सफल टीम है। भारतीय टीम ने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के खिताब पर आठ बार कब्जा जमाया है।

पाइक्रॉफ्ट को टॉस से चार मिनट पहले पता चला था कि दोनों कप्तान हाथ नहीं मिलाएंगे

दुबई, 19 सितम्बर। 2025 एशिया कप को लगभग पटरी से उतारने वाले विवाद के केंद्र में रहे आईसीसी मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ़्ट को 14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान मैच के टॉस से कुछ मिनट पहले ही बताया गया था कि दोनों कप्तान हाथ नहीं मिलाएंगे। उस समय, उन्होंने ख़ुद को निर्देश देने के बजाय संदेश देने वाला समझा। इसके बाद, पीसीबी ने पाइक्रॉफ़्ट के ख़िलाफ़ शिकायत दर्ज कराई, जिसमें उन पर आईसीसी के नियमों और क्रिकेट भावना का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया और उन्हें टूर्नामेंट से हटाने की मांग की गई। 14 और 17 सितंबर को पाकिस्तान द्वारा खेले गए दो मैचों के दौरान हुई घटनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी सामने आने लगी है। मामले की प्रत्यक्ष जानकारी रखने वाले एक अधिकारी के अनुसार, यह विवाद रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच हुए मैच में "टॉस से चार मिनट पहले" शुरू हुआ। जैसे ही पाइक्रॉफ़्ट मैदान पर पहुंचे, उन्हें एसीसी स्थल प्रबंधक ने बताया कि बीसीसीआई ने उन्हें - भारत सरकार की अनुमति से - सूचित कर दिया है कि कप्तान सूर्यकुमार यादव और सलमान आगा के बीच हैंडशेक नहीं होगा। पीसीबी अधिकारियों ने तर्क दिया कि पाइक्रॉफ़्ट को इस असामान्य अनुरोध के बारे में आईसीसी को सूचित करना चाहिए था; ऐसा माना जा रहा है कि पाइक्रॉफ़्ट ने कहा कि उनके पास ऐसा करने का समय नहीं था। अगर पर्याप्त समय होता, तो वह आईसीसी से सलाह लेते। इसके बजाय, टॉस से कुछ क्षण पहले, उन्होंने आग़ा को स्थिति के बारे में बताया, यह सोचकर कि अगर आग़ा सूर्यकुमार से हाथ मिलाने गए, तो वह सार्वजनिक रूप से शर्मनाक स्थिति उत्पन्न होने से बचा रहे थे। पाइक्रॉफ़्ट के इस फ़ैसले को आईसीसी ने किसी भी समय आचार संहिता के उल्लंघन के रूप में नहीं देखा, बल्कि एक ऐसी कार्रवाई के रूप में देखा, जो उन्हें खेल के प्रबंधन के लिए नियुक्त एक मैच अधिकारी के रूप में अपने अधिकार क्षेत्र में करने के लिए अधिकृत किया गया था। यह मुद्दा बुधवार को तब और बढ़ गया जब पाकिस्तान के यूएई के ख़िलाफ होने वाले जरूरी मैच को लेकर अनिश्चितता के बादल छा गए और पीसीबी ने धमकी दी कि अगर इस मैच के लिए चुने गए पाइक्रॉफ़्ट की जगह कोई और मैच रेफरी नियुक्त नहीं किया गया तो वह टूर्नामेंट से हट जाएगा। पाइक्रॉफ़्ट और पाकिस्तानी टीम के शीर्ष अधिकारियों के बीच आनन-फानन में हुई एक स्पष्ट बैठक के बाद आख़िरकार एक घंटे की देरी के बाद मैच शुरू हुआ। पीसीबीने एक बयान में दावा किया कि पाइक्रॉफ़्ट ने "पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मैनेजर और कप्तान से माफी मांगी है", हालांकि स्थिति से परिचित सूत्रों का कहना है कि यह माफी नहीं थी, बल्कि घटना के बारे में "गलतफहमी और गलत संचार पर खेद की अभिव्यक्ति" थी।

भारत-पाकिस्तान कल दूसरे दौर में आमने-सामने होंगे

दुबई, 19 सितम्बर। श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच एशिया कप 2025 के सुपर-4 चरण की शुरुआत शनिवार को होगी। अबु धाबी में ग्रुप स्टेज के दूसरे अंतिम मुकाबले में अफग़ानिस्तान को हराकर श्रीलंका ने न केवल उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया, बल्कि ग्रुप बी से बांग्लादेश के साथ अजेय रहते हुए अगले चरण में प्रवेश किया। वहीं, भारत और पाकिस्तान ने ग्रुप ए से पहले ही सुपर-4 में अपनी जगह पक्की कर ली थी। पाकिस्तान ने बुधवार को यूएई को हराकर यह सुनिश्चित किया। इसका मतलब है कि भारत और पाकिस्तान के बीच टूर्नामेंट का दूसरा मुकाबला 21 सितंबर को दुबई में खेला जाएगा। भारत ने ग्रुप स्टेज में दुबई में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान को हराया था और ओमान के ख़िलाफ अपना आखिरी ग्रुप मैच खेलने से पहले तक अजेय है। पाकिस्तान को सुपर फोर में श्रीलंका के ख़िलाफ मुकाबले से पहले एक दिन का आराम मिलेगा, लेकिन बांग्लादेश को लगातार दो दिन खेलना होगा जिसमें 24 सितंबर को भारत से और 25 सितंबर को पाकिस्तान से, दोनों मुकाबले दुबई में होंगे। सुपर-4 चरण का आख़िरी मुकाबला 26 सितंबर को भारत और श्रीलंका के बीच दुबई में खेला जाएगा। इसके बाद शीर्ष दो टीमें 28 सितंबर को फाइनल में भिड़ेंगी।

संजू सैमसन का अर्द्धशतक, भारत ने दिया ओमान को 189 रनों का लक्ष्य, 17 ओवर में ओमान का स्कोर 141/1

अबु धाबी, 19 सितंबर। भारत ने एशिया कप के आखिरी लीग मैच में ओमान के सामने 189 रन का टारगेट रखा है। जवाब में 17 ओवर के बाद ओमान का स्कोर 141/1 है। आमिर कलीम और हमाद मिर्जा नाबाद हैं। दोनों फिफ्टी पार्टनरशिप कर चुके हैं। कलीम ने अर्धशतक बना लिया है। जतिंदर सिंह (32 रन) 9वें ओवर की तीसरी बॉल पर प्लेड ऑन हुए। उन्हें कुलदीप यादव ने आउट करके फिफ्टी पार्टनरशिप ब्रेक की। संजू सैमसन (56), अभिषेक शर्मा (38) की शानदार पारियों के दम पर भारत ने शुक्रवार को एशिया कप के 12वें मुकाबले में ओमान को जीत के लिए 189 रनों का लक्ष्य दिया।

आज यहां भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में शुभमन गिल (पांच) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये संजू सैमसन ने अभिषेक शर्मा के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट लिए 66 रनों की साझेदारी की। आठवें ओवर में जितेन रामानंदी ने अभिषेक शर्मा को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। अभिषेक शर्मा ने 15 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुए 38 रन बनाये। इसके बाद हार्दिक पांड्या (एक) रनआउट हुये। 12वें ओवर में अक्षर

पटेल 13 गेंदों में (26) को आमिर कलीम ने आउट किया। शिवम दुबे (पांच) भी आमिर का शिकार बने। 18वें ओवर में शाह फैसल ने संजू सैमसन को आउट किया। संजू सैमसन ने 45 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के लगाते हुए 56 रनों की पारी खेली। तिलक वर्मा ने 18 गेदों में 29 रन बनाये। आठवें विकेट के रूप में अर्शदीप सिंह(एक) रनआउट हुये। भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में विकेट आठ विकेट पर 188 रन का स्कोर खड़ा किया। हर्षित राणा आठ गेंदों में 13 रन बनाकर नाबाद रहे। ओमान के लिए शाह फैसल, जितेन रामानंदी और आमिर कलीम ने दो-दो विकेट लिये।

थंगराजा ने जीता चेन्नई ओपन का खिताब

चेन्नई, 19 सितंबर। श्रीलंकाई एन थंगराजा ने चेन्नई के कॉस्मो टीएनजीएफ गोल्फ कोर्स में खेले गए एक करोड़ रुपये के इनामी टूर्नामेंट, चेन्नई ओपन 2025 पावर्ड बाय सीपीसीएल के अंतिम दिन कड़े संघर्ष के बाद एक ओवर 73 का स्कोर बनाकर खिताबी जीत हासिल की। एन थंगराजा (69-66-63-73), जो कल रात एक शॉट से आगे चल रहे थे, आखिरी दिन एक शॉट से आगे निकल गए और उन्होंने पूरे हफ़्ते 17-अंडर 271 का स्कोर बनाया। 44 वर्षीय कोलंबो निवासी थंगराजा की यह छठी पीजीटीआई जीत और सीजन की दूसरी जीत थी, जिसके साथ उन्हें 15 लाख रुपये का विजयी पुरस्कार मिला, जिससे वह 2025 पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में 12वें स्थान से छठे स्थान पर पहुंच गए। नोएडा के अमरदीप मलिक (68-71-67-66), जिन्होंने ईगल के साथ दिन का समापन किया, दिल्ली के शौर्य भट्टाचार्य (67-65-69-71) और गुरुग्राम के मनु गंडास (66-68-65-73) की तिकड़ी कुल 16-अंडर 272 के स्कोर के साथ संयुक्त उपविजेता रही।

सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में, सिंधु चाइना मास्टर्स से बाहर

शेनझेन, 19 सितम्बर। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने एक और शानदार सीधे गेमों में जीत के साथ ली-निंग चाइना मास्टर्स 2025 के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जबकि एकल में पी वी सिंधु को महिला क्वार्टरफाइनल में हारकर बाहर हो जाना पड़ा।

भारतीय जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में चीन के रेन जियांग यू और झी हाओनान को 38 मिनट में 21-14, 21-14 से हराया जबकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु 23 वर्षीय कोरियाई खिलाड़ी एन से यंग से 38 मिनट में 14-21, 13-21 से हार गईं, जो पेरिस खेलों की स्वर्ण पदक विजेता से उनकी लगातार आठवीं हार है। सिंधु ने अभी तक विश्व की नंबर एक खिलाड़ी कोरिया की एन से यंग के खिलाफ एक भी जीत दर्ज नहीं की है। भारत की शीर्ष शटलर पीवी सिंधु का विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एन से यंग के खिलाफ खराब प्रदर्शन जारी रहा और शुक्रवार को उन्हें कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा।

सिंधु की शुरुआत खराब रही और वह 1-6 से पिछड़ रही थीं, लेकिन क्रॉस-कोर्ट पर एक नाजुक ड्रॉप के साथ स्कोर 5-9 हो गया। हालाँकि, आन ने अपने विशिष्ट स्मैश का इस्तेमाल करते हुए अंतराल तक 11-5 की बढ़त बना ली। सिंधु 11-14 के स्कोर पर बराबरी पर आ गईं, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने अपनी पकड़ बनाए रखी और भारतीय खिलाड़ी के स्मैश को नेट में वापस भेजकर पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में, सिंधु 3-2 से आगे थीं, लेकिन आन के नियंत्रण में आने से पहले ही कुछ देर के लिए। भारतीय खिलाड़ी ने आक्रामक खेल से बढ़त बनाने की कोशिश की और 7-8 से पीछे थीं, लेकिन आन के बेहतरीन डिसीजन और विविधता ने उन्हें ब्रेक तक 11-7 से आगे कर दिया। उन्होंने बढ़त को 14-7 तक पहुँचाया और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। सिंधु ने कुछ बेहतरीन फ्रंट-कोर्ट ड्रॉप्स और राउंड-द-हेड स्मैश लगाकर कुछ अंक हासिल किए, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी हमेशा उनसे आगे रही। जब सिंधु ने फिर से गलती की, तो आन ने क्रॉस-कोर्ट स्मैश से आठ मैच पॉइंट हासिल किए और सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

सर्वोच्च न्यायालय ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के संविधान के मसौदे को अंतिम रुप दिया

नई दिल्ली, 19 सितंबर। सर्वोच्च न्यायालय ने आज अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के संविधान के मसौदे को अंतिम रूप दिया और महासंघ को इसे अपनाने के लिए चार सप्ताह के भीतर एक आम सभा की बैठक बुलाने का निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति पमिदिघंतम श्री नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने 2017 के दिल्ली उच्च न्यायालय के उस फैसले के खिलाफ एआईएफएफ की अपील पर फैसला सुनाया, जिसमें खेल कार्यकर्ता और वकील राहुल मेहरा द्वारा दायर याचिका पर तत्कालीन अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल सहित एआईएफएफ के पदाधिकारियों के चुनाव को रद्द कर दिया गया था।

बंधुत्व के संवैधानिक मूल्य पर प्रकाश डालते हुए, न्यायालय ने कहा, "कानून के माध्यम से लागू किए जा सकने वाले अधिकारों के विपरीत, बंधुत्व न्यायिक आदेश के अधीन नहीं है, बल्कि इसे एकता, विश्वास और साझा प्रयासों के जीवंत अनुभव के माध्यम से पोषित किया जाना चाहिए। खेल, चाहे राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय, क्षेत्रीय या स्थानीय हों, एक कर्मभूमि के रूप में कार्य करते हैं जहां गठबंधन और सामूहिक उद्देश्य मूर्त रूप लेते हैं।"

न्यायालय ने कहा कि उसने कई हितधारकों के सुझावों को शामिल करने के बाद संविधान के मसौदे की जाँच की थी और लगभग सभी प्रावधानों को पर्याप्त रूप से स्वीकृत किया था। न्यायालय ने आशा व्यक्त की कि नया संविधान भारतीय फ़ुटबॉल में संस्थागत बदलाव लाएगा।

न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने कहा, "हमें पूरी उम्मीद है कि संविधान, एक बार अपनाए जाने के बाद, भारतीय फ़ुटबॉल की एक नई शुरुआत करेगा और इस खेल को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगा।" यह स्वीकार करते हुए कि वर्तमान एआईएफएफ पदाधिकारियों का कार्यकाल केवल एक वर्ष शेष है, न्यायालय ने उनके चुनाव में बाधा डालने से इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने कहा, "हमने कहा है कि केवल एक वर्ष शेष है, इसलिए चुनाव अनावश्यक है। इसे बीच में ही रोकने का कोई मतलब नहीं है।" न्यायालय ने आगे कहा कि खेल, खेल से कहीं आगे एक बड़ी भूमिका निभाते हैं। न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने आगे कहा, "हमें उम्मीद है कि होने वाले संस्थागतकरण के कारण फ़ुटबॉल की दुनिया में यह एक वास्तविक बदलाव लाएगा। खेलों का प्रभाव केवल खेल पर ही नहीं, बल्कि देश और हमारी मानसिकता पर भी पड़ता है।"

उम्मीद है कि एशेज के पांचों टेस्ट में खेलूंगा : कमिंस

सिडनी, 19 सितंबर। पीठ की समस्या से जूझ रहे ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज पैट कमिंस एशेज के सभी पांच टेस्ट मैचों में खेलना चाहते है। कमिंस ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। इस कार्यक्रम में खेल क्लबों के लिए जलवायु परिवर्तन से निपटने और पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ बने रहने के लिए संघीय सरकार ने 50 मिलियन डॉलर के अनुदान की घोषणा की गई। कार्यक्रम के दौरान कमिंस ने स्वीकार किया कि एशेज से पहले वह पूरी तरह से प्रतीक्षा करने और देखने की स्थिति है। कमिंस ने कहा, "लक्ष्य पांच टेस्ट मैच है। हर गर्मियों में आप पांच टेस्ट मैच खेलने का लक्ष्य रखते हैं। यह मैच थोड़ा अलग हो सकता है क्योंकि आप बाकी मैचों से थोड़े अलग अंदाज में आ रहे हैं। लेकिन शुरुआती लक्ष्य पांच विकेट लेना है। एक बार जब हम करीब पहुंच जाएंगे, तो हम शायद अधिक यथार्थवादी परिस्थितियों पर बात करेंगे। सच कहूं तो यह कहना अभी बहुत दूर की बात है, लेकिन फिलहाल हमारा लक्ष्य इन सबके लिए तैयार रहने का प्रयास करना है।" कमिंस ने इस तथ्य की ओर इशारा किया कि पहले तीन टेस्ट मैचों के कार्यक्रम में आठ दिनों का स्पष्ट अंतराल रखा गया था, इसलिए बैकअप लेना कोई समस्या नहीं हो सकती।

राज्य अंडर-23 प्रतियोगिता
जयपुर, जैसलमेर, भीलवाड़ा, बीकानेर, हनुमानगढ़, जोधपुर, श्रीगंगानगर, सीकर, करौली, अजमेर, अलवर जीती

जयपुर, 19 सितम्बर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की अंडर 23 प्रतियोगिता में में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में जयपुर में खेली जा रही राज्य अंडर 23 प्रतियोगिता में जयपुर, जैसलमेर, भीलवाड़ा, बीकानेर, हनुमागढ़, जोधपुर, श्रीगंगानगर, सीकर, करौली, अजमेर, अलवर जीती। आज देवांश सिंह, राहुल गर्ग, राहुल चौधरी, मोहित भगतानी, कुलदीप सिंह, शिवम् रंजन, आदित्य भाम्भू, राजीव, चकर्वर्ती सिंह, का शानदार प्रदर्शन किया।

मानिनी ने स्वर्ण पदक जीतकर राजस्थान का मान बढ़ाया

जयपुर, 19 सितम्बर। मध्य प्रदेश, भोपाल में नेशनल राईफल एसोसिएशन द्वारा आयोजित हो रही छठी सलेक्शन ट्रायल, 2025 (17.09.25 से 23.09.25 तक) 50मी. राईफल 3 पॉजिशन वूमन फाईनल प्रतियोगिता में आज राजस्थान की मानिनी कौशिक ने इस बार फिर स्वर्ण पदक जीतकर राजस्थान का मान बढ़ाया व पश्चिम बंगाल की आयुषी पोडर ने रजत पदक जीता, जबकि हरियाणा की आकृति दहिया ने कांस्य पदक जीता। मानिनी कौशिक ने लगातार अपना बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाईनल राउण्ड में 461.9 अंक अर्जित करते हुए प्रथम स्थान पर रहकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

हार्दिक पंड्या ने लापरवाही के कारण गंवाया खुद का विकेट

अबु धावी, 19 सितंबर। टीम इंडिया अबू धाबी के शेख जायदा स्टेडियम में ओमान के खिलाफ एशिया कप 2025 का अपना आखिरी ग्रुप मैच खेल रही है। जहां भारत के बल्लेबाज तेजी से रन बना रहे थे लेकि इस दौरान भारतीय बल्लेबाजों की तरफ से कई बार लापरवाही देखने को मिली। इन्हीं में से एक हार्दिक पंड्या भी रहे जो नॉन-स्ट्राइक प होने के बावजूद रन आउट हो गए।

टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। ये पली बार है जब इस टूर्नामेंट में भारत पहले बल्लेबाजी कर रहा है। यूएई और पाकिस्तान के खिलाफ टीम इंडिया ने चेज़ किया था। वहीं इस दौरान भारतीय बल्लेबाजों की तरफ से कई खामियां देखने को मिली।

दरअसल, आठवें ओवर की गेंद पर संजू सैमसन ने सामने की तरफ शॉट खेला था। हार्दिक पंड्या काफी पहले क्रीज से बाहर निकलगए थे। संजू

ने जो शॉट खेला जो गेंदबाज की तरफ आया। ये कैच था जिसे रामानंदी पकड़ नहीं सके और गेंद उनके हाथ से टकरा कर स्टम्प पर जा ली।

जब गेंद स्टम्प पर लगी तब पंड्या क्रीज से बाहर थे और इसी कारण वह आउट हो गए। यहां पंड्या की किस्मत खराब थी कि वह गेंद गेंदबाज के हाथ से टकरा कर गई। वहीं पंड्या को भी यहां देखना चाहिए था कि उन्हें कब क्रीज छोड़नी है। जब वह रन आउट हुए तो क्रीज से काफी बाहर थे और लौटने की सारी संभावनाएं खत्म हो चुकी थीं।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम पांच मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी

नई दिल्ली, 19 सितंबर। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम कैनबरा स्थित राष्ट्रीय हॉकी केंद्र में पांच मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने को पूरी तरह तैयार है। यह श्रृंखला 25 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2025 तक खेली जाएगी। मैच 26 सितंबर, 27 सितंबर, 29 सितंबर, 30 सितंबर और 2 अक्टूबर को खेले जाएंगे। इस दौरे के दौरान, भारत अपने पहले तीन मैच ऑस्ट्रेलिया जूनियर महिला टीम के खिलाफ खेलेगा, उसके बाद स्थानीय टीम कैनबरा चिल के खिलाफ दो मैच खेलेगा, जो ऑस्ट्रेलिया की हॉकी वन लीग में प्रतिस्पर्धा करने वाला एक क्लब है।

यह भारतीय जूनियर महिला टीम के लिए एक महत्वपूर्ण अनुभव दौरा होगा क्योंकि वे एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप 2025 की तैयारी जारी रखेंगे, जिसकी मेजबानी इस साल दिसंबर में चिली के सैंटियागो में की जाएगी। यह श्रृंखला भारतीय टीम को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में खुद को परखने और ऑस्ट्रेलियाई जूनियर महिला टीम के खिलाफ बहुमूल्य अंतरराष्ट्रीय मैच का अनुभव हासिल करने का मौका देगी, जो अपनी तेज-तर्रार और शारीरिक हॉकी के लिए जानी जाती है। कई खिलाड़ियों के लिए, यह जूनियर स्तर पर उनका पहला विदेशी अनुभव भी होगा, जो उनके विकास और प्रगति में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

आईसीसी का पीसीबी पर कड़ा रुख, नियमों के उल्लंघन पर बड़ी कार्रवाई की तैयारी

नई दिल्ली, 19 सितंबर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड एशिया कप 2025 में यूएई के खिलाफ मैच से पहले कथित तौर पर कई टूर्नामेंट नियमों का उल्लंघन करने के बाद आईसीसी की जांच के घेरे में है। मैच से पहले प्रोटोकॉल के उल्लंघन से उपजे इस विवाद ने विश्व संस्था और पाकिस्तान क्रिकेट अधिकारियों के बीच तनाव बढ़ा दिया है, जिससे संभावित अनुशासनात्मक कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। आईसीसी ने पीसीबी को कदाचार और पीएमओए उल्लंघनों के लिए चिह्नित किया है।

आईसीसी ने एशिया कप के दौरान खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों के क्षेत्र प्रोटोकॉल के "दुर्व्यवहार" और बार-बार उल्लंघन का हवाला देते हुए पीसीबी को एक कड़ा ईमेल भेजा है। सूत्रों के अनुसार, आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने पुष्टि की है कि पाकिस्तान की हरकतें मैच के दिन संचालन की अखंडता की रक्षा के लिए बनाए गए कई नियमों का उल्लंघन हैं। यह विवाद मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट, पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा और मुख्य कोच माइक हेसन के बीच टॉस से पहले हुई बैठक को लेकर है।

आईसीसी के स्पष्ट प्रतिबंधों के बावजूद, पीसीबी ने मीडिया मैनेजर नईम गिलानी को बैठक में शामिल होने और उसका वीडियो बनाने की अनुमति दी, जिसे प्रोटोकॉल का गंभीर उल्लंघन माना गया। टूर्नामेंट के एक सूत्र ने पुष्टि की कि आईसीसी के सीईओ ने पीसीबी को पत्र लिखकर कहा है कि बोर्ड मैच के दिन पीएमओए के बार-बार उल्लंघन का दोषी है। पीसीबी को यह ईमेल प्राप्त हो गया है। पीएमओए का यह ताज़ा उल्लंघन टूर्नामेंट के पहले हुए भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर पाकिस्तान की शिकायतों से उपजा है।

मौजूदा चैम्पियन हरियाणा स्टीलर्स ने पुनेरी पल्टन को हराया

जयपुर, 19 सितंबर। प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन के 41वें मुकाबले में हरियाणा स्टीलर्स ने सांस रोक देने वाले रोमांच के बाद पुनेरी पल्टन को 34-30 के अंतर से हरा दिया। परिणाम चाहें जो भी रहा लेकिन इसमें कबड्डी की जीत हुई। हरियाणा की यह सात मैचो में पांचवीं जीत है जबिक पल्टन को नौ मैचों में तीसरी हार मिली।

सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में हरियाणा की जीत में विनय (13) और शिवम (8) का अहम योगदान रहा। यह शिवम ही हैं, जिन्होंने दो अंक की रेड के साथ हरियाणा की जीत पक्की की। डिफेंस में कप्तान जयदीप ने चार और राहुल सेतपाल ने तीन शिकार किए। पल्टन के लिए पंकज मोहिते (14) ने अपना श्रेष्ठ खेल दिखाया और एक समय 10 अंक से पिछड़ रही टीम की वापसी कराई लेकिन वह उसे जीत नहीं दिला सके। दो अच्छी टीमों के बीच मुकाबला जोरदार तरीके से शुरू हुआ। 2-0 से लीड लेने के बाद हरियाणा ने ग्रिप खोया लेकिन फिर भी पांच मिनट के बाद उसे 5-2 की लीड मिली हुई थी। इसके बाद गुरदीप का शिकार कर शिवम पल्टन को सुपर टैकल की स्थिति में ले आए। शिवम ने अगली रेड पर अबिनेश को आउट कर पल्टन को आलआउट की ओर धकेल दिया। जयदीप ने असलम को डैश कर पल्टन को आलआउट कर हरियाणा को 11-2 की लीड दिला दी।

आलइन के बाद हरियाणा ने दो के मुकाबले चार अंक लेकर 14-4 के स्कोर पर ब्रेक पर गई। ब्रेक के बाद पल्टन ने चार अंक लेकर वापसी की राह पकड़ी। इस दौरान हालांकि उसने एक अंक गंवाया भी। फासला अब 7 का रह गया था। आदित्य लगातार अंक ले रहे थे। हरदीप को आउट कर वह हरियाणा को सुपर टैकल की स्थिति में ले आए लेकिन विनय ने उसे इस स्थिति से निकाल लिया। अगली रेड पर हालांकि सेतपाल ने आदित्य को लपक लिया।

इस बीच गुरदीप ने डू ओर डाई रेड पर विनय को लपक स्कोर 10-17 कर दिया लेकिन साहिल ने इसी तरह की रेड पर पंकज को डैश कर हिसाब बराबर किया। फिर शिवम ने डू ओर डाई रेड पर गौरव को आउट कर हाफटाइम तक स्कोर 19-10 कर दिया। हाफटाइम के बाद पल्टन के डिफेंस ने शिवम और विनय का शिकार कर लिया। हरियाणा के डिफेंस ने हालांकि सचिन को डैश कर शिवम को रिवाइव कराया और आते ही उन्होंने स्कोर 22-12 कर दिया।

पंकज ने हालांकि अगली रेड पर सेतपाल और शिवम का शिकार कर लिया। अगली रेड पर भी पंकज सफल रहे लेकिन विनय ने सुपर रेड के साथ पल्टन की वापसी पर ब्रेक लगा दिया। 30 मिनट के बाद हरियाणा को 25-16 की लीड मिली हुई थी। ब्रेक के बिनय ने अबिनेश का शिकार कर फासला फिर 10 का कर दिया। पंकज ने हालांकि दो रेड में तीन अंक लेकर फासला 7 कर दिया। अगली रेड पर पंकज फिर दो अंक लेकर लौटे और हरियाणा को दो खिलाड़ियों तक सीमित कर दिया।

पंकज ने अगली रेड पर हरियाणा को आलआउट कर स्कोर 25-27 कर दिया। आलइन के बाद बोनस के साथ फासला 1 का कर दिया लेकिन विनय ने मल्टीप्वाइंटर के साथ फासला 3 का कर दिया लेकिन पंकज फिर बोनस लेकर लौटे। इसके बाद स्टुअर्ट ने फासला 1 का कर दिया। फिर शिवम ने बोनस लिया और फिर जयदीप ने स्टुअर्ट का शिकार कर फासला 3 का कर दिया। इसके बाद शिवम ने दो अंक की रेड के साथ हरियाणा की जीत पक्की कर दी।

श्रीलंका की नजर लगातार चौथी जीत पर, बांग्लादेश उलटफेर की कोशिश में

दुबई, 19 सितंबर। श्रीलंका एशिया कप 2025 के सुपर फ़ोर में एक ऐसी टीम के रूप में प्रवेश करेगा जिसने अब तक ज्यादातर चीज़ें सही की हैं। तीनों लीग मैच जीतने के बाद - सबसे ताजा जीत अफग़ानिस्तान पर छह विकेट से मिली - चरित असालंका की टीम कल दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में बांग्लादेश से भिड़ने के लिए खुद को प्रबल दावेदार के रूप में स्थापित कर चुकी है।

बांग्लादेश ने अपनी ओर से, एक तनावपूर्ण अंत में अफग़ानिस्तान को हराकर क्वालीफाई करने के लिए दृढ़ संकल्प दिखाया है। लिटन दास जानते होंगे कि अगर उन्हें ऐसी लय में चल रहे प्रतिद्वंद्वी को चुनौती देनी है, तो उनके खिलाड़ियों को अपनी बल्लेबाजी में निरंतरता लानी होगी और मैदान पर अनुशासन का भी पालन करना होगा। पथुम निसंका के प्रतियोगिता में 124 रन और पिछले मैच में कुसल मेंडिस के 74 रन, शीर्ष क्रम को दर्शाते हैं जो स्थिर दिखता है। कुसल परेरा और कामिंदु मेंडिस और स्थिरता प्रदान करते हैं, जबकि दासुन शनाका और वानिंदु हसरंगा मध्य और निचले क्रम को गहराई प्रदान करते हैं। नई गेंद से दुष्मंथा चमीरा और नुवान तुषारा की अगुवाई में और बीच के ओवरों में हसरंगा और महेश थीक्षाना के सहयोग से श्रीलंका का आक्रमण एक भरोसेमंद इकाई रहा है।

बांग्लादेश को अपने पिछले मैच में तंजीद हसन और सैफ हसन की सलामी जोड़ी से हौसला मिलेगा। मुस्तफिजुर रहमान के तीन विकेट और नसुम अहमद का किफायती स्पेल श्रीलंका के बल्लेबाजों पर लगाम लगाने के लिए उनकी गेंदबाजी के महत्व को दर्शाता है।

दुबई की पिच पर स्ट्रोक खेलने की उम्मीद है, जहां पहली पारी का औसत स्कोर 162 रन होता है। इस मैदान पर दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाली टीमों के हालिया रिकॉर्ड को देखते हुए, कप्तान लक्ष्य का पीछा करना पसंद कर सकते हैं।

श्रीलंका की प्रवाहशीलता और संतुलन उन्हें एक मुश्किल टीम बनाते हैं, लेकिन बांग्लादेश ने पहले भी दिखाया है कि जब वे अपनी बल्लेबाजी में संयम और गेंदबाजी में विविधता लाते हैं, तो वे उच्च रैंकिंग वाली टीमों को भी परेशान कर सकते हैं। मैच इस बात पर निर्भर करेगा कि बांग्लादेश कितनी जल्दी गेंदबाजी करता है और स्पिनरों के खिलाफ उनका मध्य क्रम कितना संयमित रहता है।

श्रीलंका की संभावित प्लेइंग :

चरित असालंका (कप्तान), पथुम निसंका, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), कामिल मिशारा, कुसल परेरा, दासुन शनाका, कामिंदु मेंडिस, वानिंदु हसरंगा, महीश थीक्षाना, दुष्मंथा चमीरा, नुवान तुषारा

बांग्लादेश की संभावित प्लेइंग

लिटन दास (कप्तान और विकेटकीपर), तंजीद हसन तमीम, सैफ हसन, तौहीद हृदोय, जेकर अली, शमीम हुसैन, नुरुल हसन, नसुम अहमद, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, तस्कीन अहमद

कैबिनेट ने स्पोर्ट्स युनिवर्सिटी, मैडिकल कॉलेज फीस व पारितोषिक पेंशन पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए

मुख्यमंत्री भजनलाल की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल बैठक में युवाओं, ऊर्जा व पर्यटन विभाग पर ध्यान दिया गया

जयपुर, 19 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में आमजन से जुड़े कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक के बाद उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा एवं संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने प्रेसवार्ता में इन निर्णयों की जानकारी दी। बैठक में खेलों को प्रोत्साहित करने, एनआरआई मेडिकल छात्रों के लिए फीस सुधार, दिवंगत कार्मिकों के आश्रितों की पेंशन प्रणाली में सुधार, सौर ऊर्जा को बढ़ावा और सेवा नियमों में बदलाव जैसे कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

राज्य में खेल प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निखारने के लिए कैबिनेट ने "महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी जयपुर विधेयक-2025" के प्रारूप को मंजूरी दी। यह विश्वविद्यालय खेल विज्ञान, टेक्नोलॉजी और परफॉर्मेंस एनालिटिक्स में उच्च स्तरीय शोध को बढ़ावा देगा। यह संस्थान हाई परफॉर्मेंस ट्रेनिंग सेंटर के रूप में और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों के अनुरूप कार्य करेगा।

राजस्थान मेडिकल एजुकेशन सोसाइटी (राजमेस) द्वारा संचालित मेडिकल कॉलेजों में एनआरआई कोटा सीटों की फीस को तर्कसंगत बनाते हुए संशोधन किया गया है। अब एनआरआई कोटा की फीस मैनेजमेंट कोटा की फीस का 2.5 गुना होगी, जो औसतन 23.93 लाख प्रति वर्ष तय की गई है।

कैबिनेट ने राजस्थान सिविल सेवा (पेंशन) नियम-1996 में संशोधन करते हुए दिवंगत सरकारी कर्मचारी के माता-पिता को भी अब 50 प्रतिशत तक पारिवारिक पेंशन देने का प्रावधान किया है। साथ ही, अब मानसिक या शारीरिक रूप से दिव्यांग संतान को विवाह के बाद भी पारिवारिक पेंशन प्राप्त हो सकेगी।

बैठक में 5,200 मेगावॉट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए सशर्त कीमत पर भूमि आवंटन की स्वीकृति भी दी गई। राज्य सरकार ने राजस्थान पर्यटन सेवा नियम, 1976 और राजस्थान पुरातत्व एवं संग्रहालय सेवा नियम, 1960 में संशोधन को मंजूरी दी है।

ट्रंप के टैरिफ के "श्राप" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अस्तित्व बचाने की रणनीति नहीं, बल्कि एक मजबूत बढ़त है। उसके मुनाफ़े सुरक्षित रहते हैं, निर्यात मात्रा स्थिर रहती है और अमेरिकी साझेदार आश्वस्त रहते हैं। इसके विपरीत, छोटे भारतीय निर्यातकों के पास ऐसा करने के लिए पर्याप्त पैमाना या सीमा-पार नेटवर्क नहीं है, इसलिए ये कमज़ोर व असुरक्षित बने रहते हैं। नतीजा है, संगठित आभूषण दिग्गजों और पारंपरिक खिलाड़ियों के बीच खाई बढ़ रही है।

- **स्थापित ज्वैलर्स, जिनके पास अमेरिका में सोना खरीदने का सामर्थ्य व संगठन है, वो ही यह सारी कसरत कर सकते हैं। पर, छोटे-छोटे देशों के उभरते ज्वैलर्स के लिए यह सब करना असंभव नहीं तो कठिन तो है ही। अतः वे "इनोवेटिव" व सामर्थ्य पूर्ण भारतीय ज्वैलर्स की तुलना में टिक नहीं पायेंगे।**
- **अतः भारतीय ज्वलैर्स ने न केवल अपने माल को भारी टैरिफ (50 प्रतिशत) की मार से बचा लिया, बल्कि एक तरह से अमेरिका के ज्वैलरी के मार्केट में छोटे-मोटे सप्लायर्स की पहुँच को खत्म कर दिया व अपना एकाधिकार स्थापित कर लिया।**

गोल्डियम का यह कदम एक व्यापक वैश्विक प्रवृत्ति का हिस्सा है, दुनिया भर के निर्यातक उद्योग की दीवारों से टकराने के बजाय उनके इर्द-गिर्द घूमना सीख रहे हैं। चीन की कंपनियों ने अमेरिका के साथ व्यापार युद्ध के दौरान अपनी असेंबली लाइनों का मार्ग वियतनाम और मलेशिया की तरफ मोड़ दिया है। मैक्सिकन ऑटो सप्लायर लंबे समय से लागत और टैरिफ के असर को बेहतर तरीके से नियंत्रित करने के लिए उत्तरी अमेरिकी व्यापार ढांचे का लाभ उठाते रहे हैं। यहाँ तक कि वियतनाम के गारमैंट एक्सपोर्टर भी फ्री ट्रेड एग्रीमैंट्स के तहत ड्यूटी फ्री प्रावधानों का लाभ उठाकर सफल हो रहे हैं। इन सभी उदाहरणों को जो बात जोड़ती है, वह है सोच में बदलाव। टैरिफ, जो कभी संरक्षणवाद के भौंथरे औजार माने जाते थे, अब सप्लाई चेन डिज़ाइन में इनोवेशन (नवाचार) लाने वाले बन रहे हैं। वैश्विक पहुँच और कुशल रणनीतियों वाली कंपनियाँ अक्सर जोखिम को कम करने के लिए कानूनी रास्ते खोज लेती हैं, जबकि छोटे खिलाड़ी गति बनाए रखने के लिए संघर्ष करते हैं। भारत के आभूषण उद्योग के लिए सबक स्पष्ट है। अमेरिका इसका सबसे बड़ा बाज़ार है और संरक्षणवादी कदम बार-बार उठते रहेंगे। व्यावसायिक मॉडलों को नए सिरे से ढालने की क्षमता, चाहे वह अमेरिका से प्राप्त सोने के माध्यम से हो, विदेशों में संयुक्त उद्यमों के माध्यम से हो, या डिज़ाइन और ब्रांडिंग की सीढ़ी पर आगे बढ़ने के माध्यम से हो, यह तय करेगी कि कौन फलता-फूलता है और कौन पीछे छूट जाएगा। 1986 में स्थापित गोल्डियम ने दिखाया है कि वह कैसे अनुकूलन कर सकता है और जीत सकता है। 50 प्रतिशत के दंडात्मक टैरिफ को एक प्रबंधनीय लागत (मैनेजेबल कॉस्ट) में बदलकर, इसने दुनिया के सबसे आकर्षक आभूषण बाज़ार में अपनी चमक बरकरार रखी है। इससे भी बढ़कर, इसने व्यापक रूप से भारतीय निर्यातकों के लिए एक मार्गदर्शिका प्रदान की है, व्यापार अनिश्चितता के नए युग में असली बात यह नहीं है कि आप क्या बेचते हैं, बल्कि यह है कि आप उसे बाज़ार तक पहुँचाने के लिए किस तरह का रास्ता अपनाते हैं।

'आईबी के आग्रह पर मैं आतंकियों ...

- **मलिक ने कहा, 2000 में देश में वाजपेयी सरकार के समय में सीबीआई के तत्कालीन स्पेशल डायरैक्टर अजीत डोभाल जेल में मुझ से मिलने आए थे, उन्होंने मुझे आईबी डायरैक्टर श्यामल दत्ता और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बृजेश मिश्रा से मिलवाया। वे चाहते थे कि मैं उनके रमज़ान सीज़फायर को सपोर्ट करूं।**
- **मलिक ने कहा, नब्बे के दशक के बाद से लगातार 6 सरकारों (वी.पी. सिंह से लेकर मनमोहन सिंह तक) ने कश्मीर मसले के समाधान प्रक्रिया में मुझे शामिल किया था।**
- **यासीन मलिक ने यह हलफनामा एनआईए के आरोप पत्र के जवाब में दिया है। एनआईए ने आतंकवाद में भूमिका के लिए मलिक को मृत्युदंड देने की माँग की है।**

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुलाकात की और उन्हें इस मुलाकात की पूरी जानकारी दी।

उन्होंने अपने हलफनामे में लिखा, मैंने प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को अपनी मुलाकातों की जानकारी दी और संभावनाओं से अवगत कराया, जिस पर प्रधानमंत्री ने मेरे प्रयास, समय, धैर्य और समर्पण के लिए मुझे धन्यवाद दिया। लेकिन दुर्भाग्यवश, यह मुलाकात जिसे मैंने केवल आईबी के स्पेशल निदेशक के कहने पर किया था, उसे मेरे खिलाफ गलत रूप में पेश किया गया।

मलिक ने ये दावे दिल्ली हाई कोर्ट में दायर एक विस्तृत लिखित जवाब में किए हैं, जो राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा आतंकवाद के वित्तपोषण के मामले में उन्हें फांसी की सजा देने की मांग पर प्रतिक्रिया के रूप में दायर किया गया है। यह जवाब कोर्ट में सीलबंद लिफाफे में दायर किया गया है, हालांकि कोर्ट ने इसे सीलबंद रखने का कोई आदेश नहीं दिया है। मलिक ने अपने जवाब में यह भी बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के दौरान भी उनकी भागीदारी थी, और उस समय के स्पेशल डायरेक्टर अजीत डोभाल ने उनसे जेल में मुलाकात की थी। मलिक ने बताया "अजीत कुमार डोभाल जी ने मुझसे नई दिल्ली में मुलाकात की और मेरी रिहाई की सूचना दी। उन्होंने मेरी मुलाकात आईबी निदेशक श्यामल दत्ता और प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बृजेश मिश्रा से करवाई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कश्मीर मुद्दे पर वार्ता को लेकर गंभीर हैं और चाहते हैं कि मैं रमज़ान संघर्ष विराम का समर्थन करूं।" मलिक ने दावा किया कि उन्होंने शांति प्रक्रिया में समर्थन पाने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और वामपंथी नेताओं (जो उस समय विपक्ष में थे) से भी मुलाकात की थी। मलिक ने कहा, 2002 में मैंने पूरे जम्मू-कश्मीर में एक हस्ताक्षर अभियान शुरू किया। इसका मकसद कश्मीर में अहिंसक लोकतांत्रिक संस्कृति को बढ़ावा देना और कश्मीरी नेतृत्व को संवाद प्रक्रिया में शामिल करना था। यह बेहद कठिन कार्य था, और मुझे हर गाँव, स्कूल और कॉलेज जाकर 1.5 मिलियन (15 लाख) हस्ताक्षर एकत्र करने में ढाई साल लगे।

सन् 2004 में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद 2006 में पीएम मनमोहन सिंह ने उन्हें औपचारिक वार्ता के लिए आमंत्रित किया और कहा कि वे कश्मीर मसला हल करना चाहते हैं। मुलाकात के बाद मलिक अमेरिका गए और वहां स्टेट डिपार्टमेंट के अधिकारियों से मुलाकात की। हालाँकि, इसके बाद तत्कालीन पीएम को आलोचना का सामना करना पड़ा, जिसके बाद मलिक ने पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी को पत्र लिखा। मलिक ने यह भी कहा कि उन्हें केवल देश में नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर मुद्दे पर बोलने के लिए सरकारों द्वारा प्रोत्साहित किया गया।

उन्होंने कहा, मुझे केवल घरेलू मंच ही नहीं, बल्कि बार-बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी कश्मीर के मुद्दे पर बोलने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया गया। मलिक ने कश्मीरी पंडितों के नरसंहार और सामूहिक बलात्कार में शामिल होने के आरोपों को पूरी तरह खारिज किया। "ऐसे निराधार दावे हैं कि कश्मीरी पंडितों का पलायन मेरे द्वारा किए गए नरसंहार और सामूहिक हिंसा के कारण हुआ। अगर यह साबित हो जाए, तो मैं बिना किसी मुकदमे के खुद को फांसी पर लटका लूंगा और इतिहास में अपने नाम को एक अभिशाप के रूप में दर्ज करवाऊंगा।" दिल्ली हाई कोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई नवंबर में निर्धारित है।

चुनाव आयोग के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एनडीए नेताओं ने राहुल गांधी द्वारा जेन ज़ैड को लोकतंत्र के रक्षक कहने की कोशिश को नेपाल, बांग्लादेश और कुछ साल पहले श्रीलंका जैसे देशों में हुए युवा आंदोलनों से जोड़ने की कोशिश बताया, जहाँ बड़े विरोध प्रदर्शनों के कारण सरकारों में बदलाव हुए थे।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री और भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी यह सब इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि अब जनता उन्हें या उनकी पार्टी को वोट नहीं देती। प्रसाद ने कहा, "राहुल गांधी भारत के लोकतंत्र को व्यवस्थित तरीके से कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। क्यों? क्योंकि जनता उन्हें वोट नहीं देती। इसलिए वे मोदी जी के 2014 के चुनाव को नकली बता रहे हैं। वे 2019 के चुनाव को फर्जी बता रहे हैं। वे 2024 के चुनाव को भी फर्जी बता रहे हैं। सभी चुनावों को वोटों की धांधली से जीता हुआ बता रहे हैं। राहुल गांधी, कृपया भारत के मतदाताओं की लोकतांत्रिक पसंद का अपमान करना बंद कीजिए।"

बिहार की राजधानी पटना में बोलते हुए, प्रसाद ने कहा कि गांधी ने 2023 के कर्नाटक चुनाव में भी गड़बड़ी का आरोप लगाया था, जिसमें उनकी पार्टी कांग्रेस को जीत मिली थी। उन्होंने कहा कि उस समय पूरी सरकारी मशीनरी कांग्रेस के अधीन थी, फिर भी वे दूसरों पर दोषारोपण कर रहे हैं। प्रसाद ने यह भी कहा कि उस समय ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त भी नहीं थे, फिर भी राहुल गांधी उन्हें कथित "वोट चोरी" के लिए निशाना बना रहे हैं।

उन्होंने कहा, "राहुल गांधी ने जिस चुनाव की बात की है, वह 2023 का कर्नाटक चुनाव है। उस चुनाव में कांग्रेस पार्टी जीती थी। उस समय, कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने खुद शिकायत दर्ज कराई थी, उस समय राज्य में कांग्रेस की सरकार थी, पुलिस, प्रशासन सभी उसके अधीन थे, फिर भी कुछ नहीं हुआ, तो अब इतना हो-हल्ला क्यों? आपने प्रेस कॉन्फ्रेंस में ज्ञानेश कुमार की तस्वीर दिखाई, वे तो इस साल आए हैं, तो 2023 के चुनाव से उनका क्या लेना-देना? झूठ बोलना, बिना प्रमाण आरोप लगाना और देश के सामने गलत तस्वीर पेश करना राहुल गांधी की आदत बन गई है।" प्रसाद ने गुरुवार की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस सांसद द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को झूठा करार दिया।

उन्होंने कहा, "राहुल गांधी को क्या हो गया है? वे आखिर कितने झूठ बोलेंगे? वे कितनी बातें तोड़-मरोड़ कर पेश करेंगे? मैं इससे भी सख्त शब्दों का प्रयोग कर सकता हूं, लेकिन राहुल गांधी, यह मेरी संस्कृति नहीं है, न ही मेरी पार्टी की। लेकिन आप देश के लोकतंत्र के साथ विश्वासघात कर रहे हैं, 2023 से कर्नाटक में किसकी सरकार है? कांग्रेस की सरकार है, और सीआईडी उसके अधीन है, तो न वे होमवर्क करते हैं, न कुछ समझते हैं, वे झूठे आरोप लगा रहे हैं, तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहे हैं और यह उनकी प्रकृति बन चुकी है। राहुल गांधी ने विपक्ष के नेता के पद की गरिमा को गिरा दिया है।" ज्ञातव्य है कि उन्होंने यह नहीं बताया कि कर्नाटक सीआईडी ने चुनाव आयोग से वोटरों के नाम हटाये जाने का विवरण माँगा है।

भाजपा सूत्रों ने बताया कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा पार्टी और एनडीए नेताओं को राहुल गांधी पर आक्रामक हमला करने का निर्देश देने के बाद, उन पर यह तीव्र हमला शुरू हुआ है, क्योंकि "वोट चोरी" के खिलाफ राहुल गांधी का अभियान बिहार सहित देश के कई हिस्सों में लोगों के बीच पकड़ बना रहा है।

लोकसभाध्यक्ष ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यदि वे एफ आई आर दर्ज करने की प्रक्रिया को रोकते हैं एक बार फिर से प्रभावित करते हैं या रोका गया, तो यह कोर्ट की अवमानना का मामला बन सकता है। यह जग जाहिर है कि राजीव दत्ता और ओम बिडला कोटा के दिनों से बेहद करीबी रहे हैं, और अब यह दोस्ती सबके सामने आ गई है, क्योंकि बिडला खुद दत्ता को एफ आई आर से बचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि वह हाई कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप नहीं करेगा, जिसका मतलब है कि राज्य सरकार और दत्ता दोनों को कोई राहत नहीं मिली है। अब यह स्थिति साफ़ इशारा करती है कि राजीव दत्ता के पास अपने पद से इस्तीफा देने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है, क्योंकि यह एक संवेदनशील पद है। इसके साथ ही, जयपुर पुलिस एफ आई आर दर्ज करने से बचती आ रही है, जिससे यह भी संकेत मिलता है कि दत्ता ने राजस्थान के पुलिस महानिदेशक पर एफ आई आर दर्ज न करने के लिए दबाव डाला है। इस पूरे घटनाक्रम के मद्देनज़र, ओम बिडला का सॉलिसिटर जनरल से मिलने जाना खुद ही हालात साफ कर देता है।

TRUE VALUE

MARUTI SUZUKI

60 लाख यात्राएँ, अनगिनत खुशियाँ
आपके भरोसे का प्रतीक

CELEBRATING 60 Lakh STORIES OF TRUST

यहाँ ऐप डाउनलोड करें।

376 क्वालिटी चेक पॉइंट्स

वेरिफाइड कार हिस्ट्री*

1 साल तक की वारंटी और 3 फ्री सर्विस*

*नियम और शर्तें लागू। Verified Car History और Warranty केवल True Value प्रमाणित कारों पर लागू।
नि:शुल्क सेवा केवल श्रम शुल्क पर लागू है। वाहन पर काला शीशा प्रकाश प्रभाव के कारण होता है। छवियों का इस्तेमाल केवल उदाहरण मात्र है।

पूछताछ के लिए कॉल करें 1800 102 1800 | या जाएँ यहाँ www.marutisuzukitruevalue.com

TRUE VALUE CERTIFIED

UDAIPUR: S-140, MADRI INDUSTRIAL AREA, UDAIPUR, NAVNEET MOTORS: 7230016838, 9929140770, 8209069304 | SUKHER, 200 FEET ROAD, SUKHER BYE PASS, KHELGAON ROAD, NEAR BHERAVGARH RESORT, UDAIPUR, TECHNOY MOTORS: 8112266227, 9773346347, 9001237506, 9773346344 | THIKARIA DAHOD ROAD, BANSWARA, NAVNEET MOTORS: 7665887333, 7597349534 | BANSWARA: THIKARIA DAHOD ROAD, BANSWARA, NAVNEET MOTORS: 7665887333, 7597349534.

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908